RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:54 ता. 17 अगस्त 2023, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

जयपुर में जैन श्रद्धालुओं ने निकाली एक किलोमीटर लम्बी तिरंगा यात्रा

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में स्वतंत्रता दिवस पर जैन श्रद्धालुओं ने एक किलोमीटर लम्बी तिरंगा यात्रा निकाली।

प्रताप नगर सेक्टर आठ में चातुर्मास कर रहे जैनाचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य में मंगलवार को अनूठे अंदाज में जैन श्रद्धालुओं ने आजादी के 77 वें महामहोत्सव को हर्षोल्लास के साथ मनाते हुए यह तिरंगा यात्रा निकाली। इस दौरान जैन श्रद्धालुओं ने शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर सेक्टर आठ, प्रताप नगर से मुख्य पांडाल स्थल तक करीबन एक किमी लम्बी तिरंगा यात्रा निकाली। इस यात्रा में शामिल बच्चों, बुजुर्गों, महिला और पुरुष अपने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति नारों और जयकारों की दिव्य गूंज और बैंड - बाजों की ध्वनि पर नृत्य करते हुए चल रहे थे वहीं महिलाओं ने तिरंगा वस्त्र धारण कर यात्रा में शामिल होकर देशभक्ति का जज्बा दिखाया। यात्रा जब मुख्य पांडाल स्थल पर पहुंची तो सर्व प्रथम भाजपा नेता संजय जैन द्वारा आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य में ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर आचार्य सौरभ सागर ने भारत को एक अध्यात्म प्रधान देश बताते हुए कहा कि अध्यात्म की शिक्षा देने का पूर्ण अधिकार गुरु को एवं शिक्षक को है लेकिन वर्तमान में शिक्षकों का आचरण खो गया है। उनकी महिमा, गरिमा समाप्त हो गई है। वे विद्यार्थी को शिक्षा देने के पूर्व व्यसन सेवन जैसे तम्बाकू, पान, गुटका, बीड़ी, सिगरेट, शराब आदि खाते-पीते है, फिर बालकों को शिक्षा देते है, इसलिए शिक्षा का असर नहीं होता है। नींव कमजोर है, तो मकान भी कमजोर होता है जिस प्रकार विद्यार्थियों की ड्रेस नियुक्त है, उसी प्रकार शिक्षकों की भी ड्रेस नियुक्त होनी चाहिये। शिक्षक अगर आचारहीन होगा तो उसका असर भी विद्यार्थियों पर होगा। आज के ही विद्यार्थी कल के नागरिक है। वे अपने बड़ों का आचरण देखकर अपना भविष्य बनाते है। उन्होंने भारतीय संस्कृति को अहिंसा की संस्कृति बताते हुए कहा कि अहिंसा की संस्कृति से मुक्त होने से हम सुखी नहीं है क्योंकि हमने अपने जीवन में अनैतिकता, अराजकता को स्वीकार कर लिया है। भारतीय संस्कृति धार्मिक क्षेत्र में जिस प्रकार ज्ञान, दर्शन, चरित्र का संदेश देती है, उसी प्रकार सामाजिक क्षेत्र में अहिंसा प्रेम एवं भक्ति की शिक्षा देती है।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने दी वाजपेयी को श्रद्धांजलि, सदैव अटल पर जुटे एनडीए नेता

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर `सदैव अटल' स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की।

नई दिल्ली। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की आज पुण्यितिथ पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भारतीय जनता पार्टी के तमाम दिग्गज नेताओं ने श्रद्धांजिल अर्पित की। इस मौके पर उनकी समाधि स्थल पर सदैव अटल पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन नेताओं का भी तांता लगा रहा। अटल जी को श्रद्धांजलि देने वाले नेताओं में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी शामिल थे।

इनके अलावा, एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल, केंद्रीय मंत्री और अपना दल (सोनीलाल) की नेता अनुप्रिया पटेल और हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा के जीतन राम मांझी समेत एनडीए नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर 'सदैव अटल' पर पुष्पांजलि अर्पित की। पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की बेटी नमिता कौल भट्टाचार्य ने भी उनकी पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित की।

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर 'सदैव अटल' स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके अलावा और भी कई नेताओं के पहुंचने की संभावना है।

वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा, 'विपक्ष हताश और निराश है और वे जानते हैं कि 2024 में भी देश की जनता उन पर भरोसा नहीं करेगी और सत्ता में उनकी वापसी की कोई गुंजाइश नहीं है इसलिए हताश विपक्ष कुछ भी बोल रहा है लेकिन देश की जनता पीएम मोदी के नेतृत्व पर पूरा भरोसा करती है और 2024 में एनडीए हैट्रिक बनाएगी।'

वहीं, सदैव अटल स्मारक पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा, यहां कई लोग श्रद्धांजलि देने पहुंचे। हमारे एनडीए सहयोगी भी बड़ी संख्या में यहां आए क्योंकि उनका व्यक्तित्व ही बहुत विराट था।

चंद्रयान-3 ने चौथी बार बदली ऑर्बिट

लगभग गोलाकार कक्षा में आया यान, आज लैंडर और प्रोपल्शन मॉड्यूल अलग होंगे

बेंगलुरु। इसरो ने चौथी बार चंद्रयान-3 की ऑर्बिट बदली। यान अब चंद्रमा की 153 Km X 163 Km की करीब-करीब गोलाकार कक्षा में आ गया है। इसके लिए इसरो के वैज्ञानिकों ने सुबह करीब 08:30 बजे यान के थ्रस्टर कुछ देर के लिए फायर किए। इससे पहले चंद्रयान 150 Km 177 Km की ऑर्बिट में था। 153 Km X 163 Km की ऑर्बिट का मतलब है कि चंद्रयान ऐसी कक्षा में घूम रहा है जिसमें उसकी चंद्रमा से सबसे कम दूरी 153 Km और सबसे ज्यादा दूरी 163 किलोमीटर है। अब 17 अगस्त चंद्रयान के लिए काफी अहम दिन है। इस दिन इसरो चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल को लैंडर से अलग करेगा। 23 अगस्त को लैडिंग होगी। चंद्रयान में लैंडर, रोवर और प्रोपल्शन मॉड्यूल हैं। लैंडर और रोवर चांद के साउथ पोल पर उतरेंगे और 14 दिन तक प्रयोग करेंगे। प्रोपल्शन मॉड्यूल चंद्रमा की कक्षा में रहकर धरती से आने वाले रेडिएशन्स का अध्ययन करेगा। लैंडर और रोवर चांद पर पानी की खोज करेंगे।

5 अगस्त को चंद्रमा की कक्षा में पहुंचा था यान-22 दिन के सफर के बाद चंद्रयान 5 अगस्त को शाम करीब 7:15 बजे चंद्रमा की कक्षा में पहुंचा था। तब यान चंद्रमा की ग्रैविटी में कैप्चर हो सके, इसके लिए उसकी स्पीड कम की गई थी। स्पीड कम करने के लिए इसरो वैज्ञानिकों ने यान के फेस को पलटकर थ्रस्टर 1835 सेकेंड यानी करीब आधे घंटे के लिए फायर किए। ये फायरिंग शाम 7:12 बजे शुरू की गई थी।

चंद्रयान ने चांद की तस्वीरें कैप्चर कीं

चंद्रयान ने जब पहली बार चंद्रमा की कक्षा में एंट्री की थी तो उसकी ऑर्बिट 164 Km × 18,074 Km थी। ऑर्बिट में प्रवेश करते समय उसके ऑनबोर्ड कैमरों ने चांद की तस्वीरें भी कैप्चर की थीं। इसरो ने अपनी वेबसाइट पर इसका एक वीडियो बनाकर शेयर किया। इन तस्वीरों में चंद्रमा के क्रेटर्स साफ-साफ दिख रहे हैं। इसरो ने चंद्रयान पर लगे कैमरों से ली गई तस्वीरों का एक वीडियो बनाकर शेयर किया था। इन तस्वीरों में चंद्रमा के क्रेटर्स साफ-साफ दिख रहे हैं।

बगैर शरद पवार अब उद्धव-कांग्रेस हो रहे तैयार, अपने दम पर लड़ सकते हैं लोकसभा चुनाव

मुंबई। भतीजे अजित पवार और चाचा शरद पवार की बैठकें जारी हैं। अब इन बैठकों ने महाविकास अघाड़ी को चिंता में डाल रखा है। अब खबरें आ रही हैं कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी यानी NCP में जारी उठा पटक के बीच उद्धव ठाकरे और कांग्रेस बगैर पवार के ही चुनावी मैदान में उतरने के लिए तैयार नजर आ रहे हैं। हालांकि, अब तक आगे की योजनाओं को लेकर शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस ने आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है।

समीक्षा में जुटे उद्धव ठाकरे

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, उद्धव सेना ने लोकसभा क्षेत्रों की समीक्षा की तैयारी की है। खास बात है कि इन क्षेत्रों में पवार परिवार का गढ़ बारामती सीट भी शामिल है। कहा जा रहा है कि अब उद्धव अपने ही दम पर 48 लोकसभा क्षेत्रों में उतरने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। फिलहाल, बारामती सीट से सीनियर पवार की बेटी सुप्रिया सुले सांसद हैं। खबर है कि कांग्रेस और शिवसेना चाचा-भतीजे की बैठक को लेकर खुलकर आपत्तियां जता चुके हैं। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, उद्धव ठाकरे एमवीए के काम और सीनियर पवार की गतिविधियों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात कर सकते हैं। रविवार को ही महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने ठाकरे और राज्यसभा सांसद संजय राउत के साथ लंबी बैठक की थी।

कांग्रेस भी तैयार

इधर, कांग्रेस ने अपने पर्यवेक्षकों को सभी 48 सीटों पर जानकारी जुटाने के लिए कहा है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि बुधवार को पार्टी की कोर कमेटी की बैठक हो सकती है, जहां इन सीटों पर मंथन किया जा सकता है। पटोले का कहना है कि अगर वे (शरद और अजित पवार) रिश्तेदार हैं, तो हमेशा एक दूसरे के आवास पर मिल सकते हैं, लेकिन कहीं और चुपके से क्यों मिलना? उन्होंने कहा, हमने उद्धव जी के साथ बैठक में इस पर चर्चा की है और राहुल गांधी को भी सूचित कर दिया गया है।

एक-दो मकान नहीं, पूरा मोहल्ला ही धंस गया; हिमाचल के हैरान करने वाले 2 वीडियो

शिमला। हिमाचल प्रदेश में कई दिनों तक लगातार बारिश के बाद भारी भूस्खलन का दौर चल रहा है। पिछले दो दिन में करीब पांच दर्जन लोगों की जान जा चुकी है, जबकि कई लापता हैं। सोलन, शिमला, मंडी समेत कई जिलों में भूस्खलन की घटनाएं हुई हैं। हिमाचल प्रदेश से जो डराने वाली तस्वीरें और वीडियोज सामने आ रहे हैं। पहाड़ों के दरकने से एक साथ कई मकान मिट्टी में मिल गए। राज्य आपात अभियान केंद्र के अनुसार, 22 जून से 14 अगस्त तक मानसून के दौरान हिमाचल प्रदेश को 7,171 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। राज्य में मानसून के दौरान बादल फटने तथा भूस्खलन की कुल 170 घटनाएं हुई हैं और करीब 9,600 मकान आंशिक रूप से या पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। शिमला के कृष्णानगर इलाके में भूस्खलन के बाद कम से कम 8 घर ढह गए और एक बूचड़खाना मलबे में दब गया। बूचड़खाने का भवन गिरने से कई लोगों के दबने की आशंका है। विशालकाय पेड़ गिरने से कई मकान पल भर में जमीदोंज हो गए। इस घटना में कई लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। वहीं कई गाड़ियों को भी नुकसान पहुंचा है। शिमला के पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार गांधी ने बताया कि ताजा भूस्खलन में दो शव बरामद किए गए हैं। फागली में भी भूस्खलन की वजह से 5 लोगों की मौत हो गई है। रविवार देर रात सेघली पंचायत में भूस्खलन में दो साल के बच्चे सहित एक ही परिवार के सात सदस्यों की मौत हो गई, जबकि पंडोह के पास संभल में छह शव बरामद किए गए। सोलन जिले में 11 लोगों की जान चली गई। रविवार रात बादल फटने से जादोन गांव में दो घर बह गए, जिससे एक ही परिवार के सात सदस्यों की मौत हो गई। शिमला के पास भूस्खलन की चपेट में 50 मीटर लंबा पुल आ जाने के कारण, यूनेस्को विश्व धरोहर शिमला-कालका रेलवे लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। स्टेशन मास्टर जोगिंदर सिंह ने बताया कि शिमला से करीब 6 किलोमीटर पहले समर हिल के पास कंक्रीट का पुल पूरी तरह नष्ट हो गया तथा पांच या छह स्थानों पर इस धरोहर रेल मार्ग को क्षति पहुंची तथा सबसे अधिक नुकसान शिमला और शोघी के बीच हुआ है। समरहिल में ही शिव मंदिर पर पहाड़ गिर जाने से करीब दो दर्जन लोग दब गए।

फिर फ्रंटफुट पर खेलेगा मॉनसून, एमपी यूपी में लौटेगी बारिश

नई दिल्ली। कमजोर मॉनसून का सामना कर रहे मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों को 17 अगस्त से राहत मिल सकती है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि आगामी कुछ दिनों में इन राज्यों में बारिश से जुड़ी गतिविधियां बढ़ सकती हैं। हालांकि, पंजाब और दिल्ली समेत कुछ क्षेत्रों को कमजोर मॉनसून या कम बारिश का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही बुधवार को भी पूर्वोत्तर से लेकर पश्चिम तक अच्छी बारिश की संभावनाएं हैं। स्कायमेट वेदर के अनुसार, बुधवार को अरुणाचल प्रदेश, पूर्वी असम, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और मेघालय में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। साथ ही कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश की भी संभावनाएं हैं। इधर, गंगीय पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। एजेंसी के पूर्वानुमान के मुताबिक, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, गुजरात के कुछ हिस्सों, महाराष्ट्र, तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और राजधानी दिल्ली के भी कुछ हिस्सों में बारिश होने की संभावनाएं हैं।

कहां-कहां बदलने वाला है मौसम

एजेंसी ने बताया है कि 17-18 अगस्त के आसपास उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बन सकता है, जिसके बाद यह प्रणाली पश्चिम उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेगी। ऐसे में 17 से 21 अगस्त के बीच पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़, विदर्भ और मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश से जुड़ी गतिविधियां बढ़ सकती हैं।

हालांकि, यह भी कहा जा रहा है कि राजस्थान, गुजरात, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में मॉनसून की स्थिति कमजोर बनी रह सकती है। पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के साथ बिहार के निचले इलाकों में कुछ स्थानों पर बारिश हो सकती है।

तीन दशक में पहली बार जश्न-ए-आजादी के बीच कश्मीर में खूब बजी शहनाइयां, बदली फिजा में निकाह और दावतों का दौर

श्रीनगर। हाल तक कश्मीर घाटी में कोई भी परिवार 15 अगस्त के करीब शादी आयोजित करने की कल्पना भी नहीं करता था क्योंकि 1990 से इस तारीख को अलगाववादी कैलेंडर में काले दिन के रूप में चिह्नित किया गया था लेकिन तीन दशकों के संघर्ष में पहली बार कश्मीर घाटी में निकाह, वलीमा और अन्य पारिवारिक समारोहों का दौर चल पड़ा है।

कश्मीर ऑब्जर्वर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 14 और 15 अगस्त के आसपास कश्मीर घाटी में कई शादी समारोह आयोजित किए गए हैं। मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के चारूरा इलाके के सुरसियार के निवासी सज्जाद अहमद डार ने कहा, ÷चूंकि स्थिति शांतिपूर्ण है, इसलिए हमने चचेरे भाई की शादी की तारीख 14 और 15 अगस्त रखने का फैसला किया और अल्लाह का शुक्र है कि सब कुछ इतनी आसानी से हो गया।÷ डार ने बताया कि इस दिन उनके इलाके में कम से कम चार विवाह समारोह हुए।

कश्मीर में शांति बहाली और बदली फिजा के बीच 15 अगस्त के आसपास कई लोग अपने परिवार के साथ दिन बिताने के लिए ग्रामीण इलाकों में भी गए। पहलगाम, दूधपथरी और गुलमर्ग जैसे विभिन्न हेल्थ रिसॉर्ट 15 अगस्त (मंगलवार को) लोगों से भर गए। सैन्य नियंत्रण रेखा पर स्थित केरन, जो रहले भयावह स्थानों के लिए कुख्यात था इन दिनों स्थानीय और बाहरी लोगों के लिए एक नया आकर्षण केंद्र बन गया है।

बता दें कि 90 के दशक की शुरुआत में उग्रवाद फैलने के बाद पहली बार, श्रीनगर में मंगलवार को 77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में लोगों की बड़े पैमाने पर भागीदारी देखी गई। हजारों कश्मीरी श्रीनगर के बक्शी स्टेडियम में स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेने पहुंचे थे। स्टेडियम के बाहर लोगों की लंबी कतारें लगी हुई थीं। लोगों में जश्न-ए-आजादी में शरीक होने का एक जुनून देखा गया। प्राधिकारियों ने आतंकवादी खतरे के मद्देनजर पूर्व में लोगों की आवाजाही पर लगायी पाबंदियों में ढील दी जिसके कारण बड़ी संख्या में लोग अपने घरों से बाहर निकले। श्रीनगर के 15 लाख निवासियों के लिए यह काफी हैरान करने वाला था कि उन्हें कोई कंटीली तारें या अवरोधक देखने को नहीं मिले जिन्हें कश्मीर में स्वतंत्रता दिवस तथा गणतंत्र दिवस पर कड़े सुरक्षा बंदोबस्त के कारण लगाया जाता था। ऐसे में राष्ट्रध्वज लिए बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक बक्शी स्टेडियम में पहुंचे। वर्ष 2003 के बाद से ऐसा पहली बार है, जब स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए स्टेडियम में इतनी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। 2003 में अनुमानित 20,000 लोगों ने परेड देखी थी। सूत्रों ने बताया कि करीब 10,000 लोग समारोह देखने पहुंचे थे। इस मौके पर लोग खुश दिखे और उन्हें सेल्फी लेते हुए देखा गया। शहर में कई स्कूल सुबह-सुबह ध्वजारोहण समारोह के लिए खुले जबकि दुकानें भी खुली दिखायी दी।

अधिकारियों ने बताया कि कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए पर्याप्त संख्या में सुरक्षाबलों को तैनात किया गया। शहर के ज्यादातर हिस्सों में वाहनों की आवाजाही सुचारू रही। मोबाइल तथा इंटरनेट सेवाएं भी लगातार तीसरी बार अबाधित रहीं जबकि 15 अगस्त और 26 जनवरी को ये सेवाएं निलंबित रहती थीं।

पहाड़ों पर हो रही बारिश से दिल्ली वाले परेशान, यमुना खतरे के निशान से ऊपर

नई दिल्ली । हिमाचल प्रदेश में हो रही भारी बारिश व लैंडस्लाइड के कारण यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। इसने दिल्लीवासियों की नींद उड़ा दी है। यहां अभी भी कुदरत का कहर जारी है। रविवार से जो खतरनाक लैंडस्लाइड का सिलसिला चला वो अब तक रुका नहीं है। उत्तराखंड में भी बारिश से कई जगह भूस्खलन देखने को मिला है। साथ ही पहाड़ों पर हो रही बारिश का सीधा असर दिल्ली में यमुना नदी के जलस्तर पर भी पड़ रहा है। इससे दिल्ली में यमुना नदी खतरे के निशान को पार कर गई है। अधिकारियों के मुताबिक, नदी के किनारे निचले इलाकों में बाढ़ आ सकती है, लेकिन स्थिति के गंभीर होने के आसार कम हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में यमुना का जलस्तर आज (बुधवार) सुबह 5 बजे 205.4 3 मीटर रिकॉर्ड किया गया तो सुबह 6 बजे यह घटकर 205.3 5 मीटर दर्ज किया गया। हालांकि ये वार्निंग लेवल यानी खतरे के निशान 204.50 मीटर के पार है। यमुना का डेंजर लेवल 205.33 मीटर है। दिल्ली सरकार के सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि नदी के किनारे निचले इलाकों में बाढ़ आ सकती है, लेकिन स्थिति के गंभीर होने के आसार कम हैं। हालांकि, मौसम विभाग के मुताबिक, हिमाचल प्रदेश में अगले दो दिनों में भारी बारिश जारी रहने की संभावना है और उत्तराखंड और पूर्वोत्तर भारत में अगले 4-5 दिन तक तेज बारिश देखने को मिल सकती है। इसका सीधा असर दिल्ली में यमुना के जलस्तर पर भी देखा जा सकता है। गौरतलब है ?कि हिमाचल प्रदेश में रविवार से जो खतरनाक लैंडस्लाइड का सिलसिला चला वो अब तक नहीं रुका है। शिमला में कई इमारतें जमींदोज हो गईं। बारिश के कारण अब तक 61 लोगों की मौत हो चुकी है।

सवा साल से जेल में बंद सब्जी वाले को सुप्रीम कोर्ट ने किया रिहा

नई दिल्ली। लगभग सवा साल से जेल में बंद एक सब्जी वाले को सुप्रीम कोर्ट ने रिहा करने के आदेश दिए हैं। जानकारी के अनुसार तमिलनाडु के एक सब्जी विक्रेता जिसे 10 रुपये के 43 नकली नोट रखने के अपराध में दोषी ठहराया गया था, उसकी सजा कम कर दी है। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ ने थेनी जिले के निवासी पलानीसामी को तुरंत रिहा करने का आदेश दिया। पीठ ने अपने आदेश में कहा कि उसके खिलाफ आरोप केवल आईपीसी की धारा 489 सी के तहत है। उसके पास 10 रुपये के मूल्यवर्ग के 43 नकली नोट पाए गए। वह एक सब्जी विक्रेता था। उपरोक्त पहलुओं पर विचार करते हुए हम दोषसिद्धि को बरकरार रखते हुए सजा को पहले ही काट ली गई सजा में संशोधित कर रहे हैं। उच्च न्यायालय द्वारा दी गई 5 साल की सजा को आंशिक रूप से पहले ही भुगती गई अवधि में संशोधित करके अपील की अनुमति दी गई है। इसी आधार पर अपीलकर्ता को तुरंत रिहा करने के आदेश दिए गए हैं। जानकारी के अनुसार दोषी पलानीसामी को ट्रायल कोर्ट ने 8 जनवरी 2014 को इस अपराध के लिए दोषी ठहराया था और सात साल की कैद की सजा सुनाई थी। 24 अक्टूबर, 2019 को मद्रास उच्च न्यायालय ने सात साल की कारावास की सजा को घटाकर पांच साल कर दिया था। पलानीसामी 451 दिनों तक जेल में रहा। पीठ ने कहा कि अपील केवल पलानीसामी ने दायर की थी, जो मामले के तीन आरोपियों में से एक हैं। दो आरोपियों पर धारा 489सी के तहत मामला दर्ज किया गया है, जबकि तीसरा फरार था। शीर्ष अदालत ने कहा कि पलानीसामी के खिलाफ अभियोजन का मामला यह है कि गुप्त सूचना के आधार पर जब्ती के दौरान उनके पास नकली नोट पाए गए थे।

सीएम मान की घोषणा, अगले स्वतंत्रता दिवस तक पंजाब से नशा होगा खत्म

चंडीगढ़ । पंजाब के सीएम ने अगले स्वंत्रता दिवस तक नशा मुक्त पंजाब बनाने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि नशे के विरुद्ध मुहिम की रूपरेखा तैयार कर ली गई है और इसको लोगों के सहयोग से अमली जामा पहनाया जाएगा। सीएम मान ने उम्मीद जताई है कि राज्य सरकार की इस ठोस योजना के जरिये स्वतंत्रता दिवस-2024 तक राज्य से ड्रग्स को मुकम्मल तौर पर खत्म कर दिया जाएगा। वह स्वतंत्रता दिवस पर जनता को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री मान ने कहा कि पिछली सरकारें माफिया और स्मगलरों की पनाह देती रही थीं, जिस कारण राज्य में भ्रष्टाचार और नशा जैसी बीमारियों ने पैर पसारे हुए थे। उन्होंने कहा कि राज्य को बर्बाद कर देने वाली ऐसी समस्याओं के प्रति हमारी सरकार ने कोई ढिलाई न बरतने की नीति अपनाई हुई है। सीएम ने कहा कि सरकार ने राज्य में भ्रष्ट लोगों पर पहले ही शिकंजा कसा हुआ है और भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म किया जाएगा। अब सरकार ने राज्य में नशे की कमर तोड़ने के लिए नई रणनीति बनाई है। उन्होंने कहा कि खेल द्वारा नौजवानों की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा की ओर ले जाने के साथ-साथ राज्य सरकार नशे की सप्लाई चेन खत्म करने के लिए जोरदार प्रयास कर रही है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस नशा विरोधी मुहिम के परिणाम जल्द ही आम लोगों को दिखाई देंगे और नशा मुक्त गांवों को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ नशा पीड़ितों के पुनर्वास के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री मान ने आगे कहा कि राज्य सरकार की सख्ती के स्वरूप पंजाब भ्रष्टाचार मुक्त राज्य बनने की ओर बढ़ रहा है। राज्य सरकार सरकारी खजाने के प्रयोग को यकीनी बना रही है। उन्होंने कहा कि वह अपने से पहले की सरकारों की तरह खजाना खाली होने का ढिंढोरा नहीं पीटते बल्कि हमारी सरकार एक-एक पैसा लोगों के कल्याण पर लगा रही है। सीएम भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार ने लोगों के पैसे की हो रही अंधी लूट पर रोक लगाई है और अब इन फंडों का प्रयोग लोगों के कल्याण और राज्य के विकास के लिए ??किया जा रहा है।

स्वतंत्रता दिवस पर पुणे में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे, तो मुंबई में पाकिस्तान की इंस्टा स्टोरी

पुणे, । स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर पुणे के कोंढवा इलाके में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए जाने का खुलासा हुआ था. इस मामले में एक निर्माणाधीन इमारत परिसर में सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करने वाले दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया. मिली जानकारी के अनुसार कोंढवा के लक्ष्मीनगर इलाके में एक स्कूल इमारत का निर्माण कार्य चल रहा है. सोमवार रात वहां कार्यरत दो सुरक्षा गार्ड पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे। वहां से गुजर रहे नागरिकों ने पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे सुने। उन्होंने इस घटना की जानकारी कोंढवा पुलिस को दी. कोंढवा पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को हिरासत में ले लिया। दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है. इससे पहले राज्य के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कोंढवा इलाके से उन आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है जो आतंकवादी संगठन आईएस की विचारधारा फैला रहे थे। आतंकियों से पूछताछ में देशभर में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश का खुलासा हुआ है.

मुंबई में पाकिस्तान की इंस्टा स्टोरी

दूसरी ओर, इंस्टाग्राम पर पाकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस की स्टोरी स्टेटस पोस्ट करने के आरोप में मुंबई में दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है. मुंबई की कोलाबा पुलिस ने की कार्रवाई. दोनों युवक 19 साल के हैं और कॉलेज के छात्र हैं. कानूनी कार्रवाई के बाद दोनों को छोड़ दिया गया.

श्रीकृष्ण जन्मभूमि के पास बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

मथुरा । श्रीकृष्ण जन्मस्थान के पास नई बस्ती में रेलवे की भूमि कब्जा करने वालों के घर पर चल रहे बुलडोजर अभियान को लेकर सुप्रीम कोर्ट से बड़ी खबर आई है। शीर्ष अदालत ने बुलडोजर अभियान पर 10 दिनों के लिए रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने रेलवे को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अगली सुनवाई एक हफ्ते बाद होगी। 14 अगस्त को रेलवे लाइन पर अतिक्रमण करने वाले मकानों पर जेसीबी चली थी। इस दौरान 75 घर तोड़ दिए गए थे। इस विध्?वंस अभियान को रोकने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में फिलहाल यथास्थिति बरकरार रखने का आदेश दिया है। साथ ही यूपी की योगी सरकार और रेलवे को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। दरअसल मथुरा वृंदावन रेल लाइन को मीटर गेज से ब्रॉड गेज में बदलने का काम शुरू हो गया है। इसकारण रेलवे अपनी जमीन पर मकान बनाने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान से लेकर अमरनाथ विद्या आश्रम तक करीब दो सौ मकान रेलवे लाइन के दोनों तरफ बने हैं। रेलवे का कहना है कि ये मकान उसकी जमीन का अतिक्रमण कर बनाए हैं।

बारिश व भूस्खलन से हिमाचल-उत्तराखंड में मची भारी तबाही, अब तक 66 लोगों की मौत

-शिमला तथा जोशीमठ में सैलाब आने से ताश के पत्तों की तरह गिर रहे मकान, बचाव कार्य जारी

शिमला (एजेंसी)। लगातार हो रही बारिश ने हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। यहां बारिश के साथ हुए भूस्खलन से 66 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई स्थानों पर मकान ढहने की जानकारी मिली है। बचावकर्मियों द्वारा घायलों को बचाने और मलबे से शव निकालने के लिए अभियान तेज किया गया है। सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि ज्यादातर मौतें हिमाचल प्रदेश में हुईं, जहां 13 अगस्त को भारी बारिश शुरू होने के बाद से 60 लोगों की मौत हो गई है। मौसम कार्यालय ने अगले दो दिनों में हिमाचल प्रदेश में और अगले चार दिनों में उत्तराखंड में छिटपुट लेकिन भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। हालां?कि मंगलवार को बचावकर्मियों ने भूस्खलन के कारण मलबे से तीन शव बरामद किये। शिमला में ढहे शिव मंदिर के मलबे से एक शव निकाला गया, जबकि शहर में ताजा भूस्खलन में दो लोगों की मौत हो गई। शिमला के कृष्णानगर इलाके में भूस्खलन के बाद छह अस्थायी सहित कम से कम आठ घर ढह गए और एक बूचड़खाना मलबे में दब गया।

सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य में मौजूदा स्थिति की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की और इस बात पर जोर दिया कि हिमाचल सरकार प्राथमिकता के आधार पर बहाली के प्रयासों में तेजी लाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को पिछले कुछ दिनों में मूसलाधार बारिश से प्रभावित बिजली और जल आपूर्ति योजनाओं को तेजी से बहाल करने का भी निर्देश दिया। बुधवार सुबह एक ट्वीट में मुख्यमंत्री ने कहा कि पोंग बांध में जल स्तर बढ़ने के कारण कांगड़ा के निचले इलाकों में 800 से अधिक लोगों को उनके गांवों से निकाला गया। बचावकर्मियों द्वारा लगातार निकासी अभियान अभी भी जारी है क्योंकि अधिक लोगों को बाहर निकाला जा रहा है।

उधर पड़ोसी राज्य उत्तराखंड में, बारिश से संबंधित घटनाओं में मरने वालों की संख्या बढ़कर छह हो गई, क्योंकि दो और शव मिले, जबकि सात अभी भी लापता हैं। यहां भी सोमवार से भारी बारिश हो रही है। देहरादून में आपदा नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्तरकाशी जिले के आराकोट क्षेत्र के गांवों में उफनती हुई पवार नदी का पानी घुसने के बाद लापता हुई एक महिला का शव मंगलवार को मिला। 14 वर्षीय लड़की तेजस्विनी का एक और शव ऋषिकेश के लक्ष्मण झूला क्षेत्र में एक बरसाती नाले से बरामद किया गया। उसके बाकी परिजनों का पता लगाया जा रहा है। आईएमडी ने 19 अगस्त तक अगले चार दिनों के लिए उत्तराखंड में कई जगहों पर येलो अलर्ट जारी किया गया है।

भूस्खलन प्रभावित जोशीमठ के पास हेलंग में एक इमारत ढह जाने के बाद तीन लोगों को बचाया गया और कुछ अन्य लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। इस साल की शुरुआत में जोशीमठ में जमीन धंसने से कई घर क्षतिग्रस्त हो गए थे और यह समस्या काफी हद तक बढ़ गई है।

चीन सीमा विवाद पर औवेसी ने पीएम से किया सवाल

हैदराबाद । एआईएमआईएम अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल किया है कि भारत-चीन सीमा पर मई 2020 की यथास्थिति की वापसी की मांग क्यों नहीं कर रहा है। भारत-चीन कोर कमांडर स्तर की 19वें दौर की बैठक पर प्रतिक्रिया देकर सांसद ने ट्वीट में कहा, (प्रधानमंत्री) नरेंद्र मोदी से मेरे प्रश्न वहीं रहेगा। हम मई 2020 से पहले की यथास्थिति की वापसी की मांग क्यों नहीं कर रहे हैं? हमारे सैनिकों को उन 26 बिंदुओं पर गश्त करने का अधिकार कब वापस मिलेगा, जहां वे 2020 तक गश?त करते थे? भारत 2000 वर्ग किमी क्षेत्र पर कब नियंत्रण हासिल करेगा जो भारत ने 2020 में चीन के हाथों गंवा दिया?

चीन के साथ सीमा संकट शुरू हुए लगभग 40 महीने हो गए हैं। इनकार, विचलन, ध्यान भटकाना- हमने मोदी सरकार को यह सब करते देखा है। हमें सीमा पर तनाव कम करने, और सच?चाई का सामना करने के लिए दिल्ली में कुछ साहस की जरूरत है। एआईएमआईएम अध्यक्ष रविवार और सोमवार को भारतीय पक्ष में चुशूल-मोल्डो सीमा बैठक बिंदु पर आयोजित भारत-चीन कोर कमांडर स्तर की 19वें दौर की बैठक के बाद मंगलवार को जारी एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति पर प्रतिक्रिया दे रहे थे।

तीन दशक बाद पहली बार जश्न-ए-आजादी के दौरान हुए निकाह, चला दावतों का दौर

-कश्मीर में शांति बहाली के बाद लोग निकले घरों से, परेड देखने हजारों की पहुंची भीड़

श्रीनगर (एजेंसी)। तीन दशक बाद कश्मीर की आजादी को पंख लगे हैं। यहां पहली बार जश्न ए आजादी के दौरान निकाह भी हुए और दावतों का दौर भी खूब चला। इतना ही नहीं बल्कि हजारों की तादाद में लोग परेड देखने भी पहुंचे और उल्लास के माहौल में खूब सै??लिफयां भी ली। बता दें कि हाल तक कश्मीर घाटी में कोई भी परिवार 15 अगस्त के करीब शादी आयोजित करने की कल्पना भी नहीं करता था क्योंकि 1990 से इस तारीख को अलगाववादी कैलेंडर में काले दिन के रूप में चिह्नित किया गया था। लेकिन तीन दशकों के संघर्ष में पहली बार कश्मीर घाटी में निकाह, वलीमा और अन्य पारिवारिक समारोहों का दौर चल पड़ा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 14 और 15 अगस्त के आसपास कश्मीर घाटी में कई शादी समारोह आयोजित किए गए हैं। मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के चारूरा इलाके के सुरसियार के निवासी सज्जाद अहमद डार ने कहा कि चूंकि स्थिति शांतिपूर्ण है, इसलिए हमने चचेरे भाई की शादी की तारीख 14 और 15 अगस्त रखने का फैसला किया और अल्लाह का शुक्र है कि सब कुछ इतनी आसानी से हो गया। डार ने बताया कि इस दिन उनके इलाके में कम से कम चार विवाह समारोह हुए।

बता दें कि 90 के दशक की शुरुआत में उग्रवाद फैलने के बाद पहली बार, श्रीनगर में मंगलवार को 77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में लोगों की बड़े पैमाने पर भागीदारी देखी गई। हजारों कश्मीरी श्रीनगर के बक्शी स्टेडियम में स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेने पहुंचे थे। स्टेडियम के बाहर लोगों की लंबी कतारें लगी हुई थीं। लोगों में जश्न-ए-आजादी में शरीक होने का एक जुनून देखा गया। प्राधिकारियों ने आतंकवादी खतरे के मद्देनजर पूर्व में लोगों की आवाजाही पर लगायी पाबंदियों में ढील दी जिसके कारण बड़ी संख्या में लोग अपने घरों से बाहर निकले। लोगों को कोई कंटीली तारें या अवरोधक देखने को नहीं मिले, हाथों में राष्ट्रध्वज लिए बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक बक्शी स्टेडियम में पहुंचे।

वर्ष 2003 के बाद से ऐसा पहली बार है, जब स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए स्टेडियम में इतनी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। 2003 में अनुमानित 20,000 लोगों ने परेड देखी थी। इस बार यहां करीब 10,000 लोग समारोह देखने पहुंचे थे। इस मौके पर लोग खुश दिखे और उन्हें सेल्फी लेते हुए देखा गया। शहर में कई स्कूल सुबह-सुबह ध्वजारोहण समारोह के लिए खुले जबकि दुकानें भी खुली दिखायी दी। हालांकि कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए पर्याप्त संख्या में सुरक्षाबलों को तैनात किया गया। शहर के ज्यादातर हिस्सों में वाहनों की आवाजाही सुचारू रही। मोबाइल तथा इंटरनेट सेवाएं भी लगातार तीसरी बार अबाधित रहीं जबकि 15 अगस्त और 26 जनवरी को ये सेवाएं बंद रहती थीं।

लालू यादव ने किया दावा, अगले साल लाल किले पर हम तिरंगा फहराएंगे

पटना (एजेंसी)। राजद के अध्यक्ष लालू प्रसाद ने दावा किया है कि लाल किले पर इस बार भले ही मोदी ने तिरंगा फहराया लेकिन अगली बार हम तिरंगा फहराएंगे। लालू ने कहा कि इस साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आखिरी बार दिल्ली के लालकिले पर तिरंगा फहराया है। प्रसाद यहां अपनी पत्नी एवं बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास पर स्वतंत्रता दिवस मनाने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। लालू यादव ने संवाददाताओं से कहा कि मैं इस अवसर पर देश के लोगों को शुभकामनाएं देता हूं और महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, मौलाना अबुल कलाम आजाद और बाबासाहेब भीम राव आंबेडकर जैसे महान लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं जिनके योगदान को देश कभी नहीं भूल सकता। अपने कई दशकों के राजनीतिक जीवन में भाजपा के घोर विरोधी रहे राजद प्रमुख प्रसाद से पत्रकारों ने जब यह पूछा कि अगले साल लोकसभा चुनाव के बाद स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर क्या मोदी तिरंगा फहरा सकेंगे, उन्होंने कहा, ना, नहीं फहरा पाएंगे। उन्होंने कहा कि यह उनका आखिरी था। जब पत्रकारों ने यह पूछा कि आगे क्या होने वाला है, इस पर राजद प्रमुख प्रसाद ने अगले लोकसभा चुनाव के बाद विपक्षी महागठबंधन 'इंडिया के सत्ता में आने की ओर की ओर इशारा करते हुए कहा कि अब अगली बार हम लोग आएंगे।

इसी तरह जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने भी कहा कि स्वाभाविक बात है, यह 2023 है, 2024 में विदाई है उनकी। प्रधानमंत्री को संबोधित अपने एक पोस्ट में जदयू अध्यक्ष ललन सिंह ने यह भी कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, भ्रष्टाचार पर बोलते समय आप, महाराष्ट्र, कर्नाटक सहित अन्य राज्यों में भाजपा और अपने सहयोगी दलों के नेताओं के ऊपर कुछ क्यों नहीं बोल रहे हैं। अपनी पार्टी के परिवारवाद पर आप क्यों चुप्पी साध लेते हैं? वैसे, 2024 में आपकी विदाई है।

नेहरू का योगदान और उनकी विरासत को कभी मिटाया नहीं जा सकता: कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा है कि पं. नेहरू का योगदान और उनकी विरासत को कभी मिटाया नहीं जा सकता है। यह बात उन्होंने नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय (एनएमएमएल) का नाम बदलकर प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय (पीएमएमएल) सोसाइटी किए जाने के बाद कही। उन्होंने बुधवार को सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि लगातार हमले के बावजूद देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की विरासत हमेशा जिंदा रहेगी और वह आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे। बता दें कि एनएमएमएल का नाम 14 अगस्त से आधिकारिक तौर पर बदलकर प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय (पीएमएमएल) सोसाइटी कर दिया गया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, आज से एक प्रतिष्ठित संस्थान को नया नाम मिला है। विश्व प्रसिद्ध नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय (एनएमएमएल) अब पीएमएमएल (प्रधानमंत्री स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय) बन गया है।

इस पर उन्होंने आरोप लगाया ?कि नरेन्द्र मोदी जी भय, पूर्वाग्रह और असुरक्षा से घिरे हुए हैं, खासकर जब बात हमारे पहले और सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले प्रधानमंत्री की आती है। उनका एकमात्र एजेंडा नेहरू और नेहरूवादी विरासत को नकारना, विकृत करना, बदनाम करना और नष्ट करना है। उन्होंने एन को मिटाकर उसकी जगह पी कर दिया है। रमेश ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी स्वतंत्रता आंदोलन में नेहरू के विशाल योगदान और भारत राष्ट्र-राज्य की लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष, वैज्ञानिक और उदार नींव के निर्माण में उनकी महान उपलब्धियों को कभी भी मिटा नहीं सकते। इन सभी पर अब मोदी जी और उनकी वाह-वाह करने वालों की ओर से लगातार हमला किया जा रहा है।

कांग्रेस व शिवसेना यूबीटी ने बुलाई कोर कमेटी की बैठक, 'सीक्रेट मीटिंग' से बढ़ी हलचल

-शरद पवार और अजित के बीच हुई मुलाकात के बाद कांग्रेस और उद्धव सेना टेंशन में आई

मुंबई (एजेंसी)। शरद पवार और अजित के बीच सीक्रेट मीटिंग से कांग्रेस व शिवसेना यूबीटी में हलचल तेज हो गई है। इसके लिए दोनों दलों ने मिलकर कोर कमेटी की बैठक भी बुला ली है। जानकारी के अनुसार इस समय महाराष्ट्र की राजनीति में भूचाल आ गया है। चाचा भतीजे के बीच हुई गुप्त बैठक को लेकर एमवीए के बाकी दो दलों शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस की टेंशन बढ़ गई है। महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा है कि वह राकांपा प्रमुख शरद पवार और राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बीच 'गुप्त रूप से' होने वाली बैठकों को महाविकास अघाड़ी गठबंधन के लिए ठीक नहीं मानते हैं और यह उनकी पार्टी के लिए चिंता का विषय है। शरद पवार शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और राकांपा के महाविकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन का हिस्सा हैं, जबकि उनके भतीजे अजित पवार ने पिछले महीने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना-भाजपा सरकार में शामिल होने के लिए राकांपा को तोड़ दिया था। महाराष्ट्र कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) ने आज मुंबई में अपनी कोर कमिटी की बैठक बुलाई है, जिसमें महाविकास अघाड़ी में एनसीपी की भूमिका को लेकर चर्चा होने वाली है।

बता दें कि गत शनिवार को पुणे में वरिष्ठ नेता शरद पवार की अपने भतीजे से मुलाकात के बारे में पत्रकारों द्वारा पूछे जाने पर महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि यह हमारे लिए चिंता का विषय है और हम शरद पवार और अजित पवार के बीच गुप्त रूप से होने वाली बैठकों को मंजूरी नहीं देते हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि इस मामले पर कांग्रेस के शीर्ष नेता चर्चा करेंगे। इंडिया (विपक्षी) गठबंधन भी इस पर चर्चा करेगा, इसलिए मेरे लिए इस पर आगे चर्चा करना उचित नहीं होगा। नाना पटोले ने कहा कि कांग्रेस ने उन सभी लोगों से हाथ मिलाने का फैसला किया है जो भाजपा का विरोध करना चाहते हैं।

उधर अपने गृह नगर बारामती में बोलते हुए, शरद पवार ने कहा कि पार्टी में कुछ लोगों ने अलग रास्ता अपनाया है, लेकिन 'एक बार उन्हें स्थिति का एहसास हो जाएगा, तो उनका रुख बदल सकता है। चाहे वे अपना रुख बदलें या न बदलें, हम अपने चुने हुए रास्ते से नहीं हटेंगे। इसी बीच शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि अजित पवार इतने बड़े नेता नहीं हैं कि वह शरद पवार को ऑफर दे सकें। पवार साहब ने अजित पवार को बनाया, अजित पवार ने शरद पवार को नहीं बनाया, उनका (शरद पवार) कद ऊंचा है। जबकि मीडिया ने पृथ्वीराज चव्हाण के हवाले से दावा किया था कि बीजेपी ने शरद पवार को केंद्रीय कृषि मंत्री बनाने और नीति आयोग के अध्यक्ष पद का ऑफर दिया है। वहीं सुप्रिया सुले और जयंत पाटिल को भी मंत्री बनाने की बात कही जा रही है।

सनी देओल फिल्मी और राजनैतिक करियर बूस्टर डोज साबित होगी गदर-2

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभिनेता सनी देओल की फिल्म गदर-2 ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रखा है। कमाई के मामले में फिल्म तमाम रिकॉर्ड तोड़ रही है। फिल्म हाउस फुल चल रही है। भारत-पाकिस्तान के मुद्दे पर बनी फिल्म उस वक्त पर आई, जब 2024 में लोकसभा चुनाव होने हैं। इसके बाद सनी देओल के लिए गदर-2 न सिर्फ फिल्मी करियर के लिए बल्कि पॉलिटिकल करियर के लिए भी हिट साबित हो सकती है। सनी अभी पंजाब के गुरदारसपुर से सांसद हैं। वे 2019 में लोकसभा चुनाव से ठीक पहले भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए थे। पार्टी ने उन्हें गुरदासपुर से लोकसभा टिकट दिया। सनी देओल ने यहां से कांग्रेस के मौजूदा सांसद सुनील कुमार जाखड़ को मात दी।

सनी ने भले ही गुरदासपुर से जाखड़ को हराकर संसद में पहली बार कदम रखा हो। लेकिन वे अपने संसदीय क्षेत्र में कम ही नजर आते हैं। इसकारण स्थानीय लोग उनसे नाराज बताए जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें, तब सनी देओल पिछले 3 साल यानी 2020 से गुरदासपुर नहीं गए हैं। इतना ही नहीं हाल ही में सनी देओल गदर-2 के प्रमोशन के दौरान वाघा-अटारी बॉर्डर पर गए, लेकिन गुरदासपुर नहीं पहुंचे। जबकि गुरदासपुर वाघा अटारी बॉर्डर से काफी करीब है। इतना ही नहीं सनी देओल के विरोधी क्षेत्र में उनके गुमशुदगी के भी पोस्टर लगाते रहे हैं।

पंजाब की गुरदासपुर ऐसी सीट है, जहां बीजेपी फिल्मी चेहरों पर दांव लगाती रही है। काफी हद तक बीजेपी की ये रणनीति सफल होती भी दिखी। सनी ने पहले बीजेपी ने विनोद खन्ना को इस सीट से टिकट दिया। विनोद खन्ना 1998, 1999, 2004 और 2014 में इस सीट से जीत हासिल की। वे यहां से सिर्फ 2009 लोकसभा चुनाव में हारे।

खास बात ये है कि देशभक्ति और भारत-पाकिस्तान के मुद्दे पर बनी यह फिल्म उस वक्त पर आई, जब लोकसभा चुनाव का काउंट डाउन शुरू हो चुका है। इसके बाद सनी देओल की गदर-2 उनके सियासी कमबैक में अहम साबित हो सकती है। सनी इंडस्ट्री के वे अभिनेता हैं, जो ज्यादातर देशभक्ति से प्रेरित फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं।इसके बाद वे कहीं न कहीं बीजेपी की राष्ट्रवादी छवि में फिट बैठते हैं। इतना ही नहीं 2014 और 2019 लोकसभा चुनाव में मोदी लहर के बावजूद पंजाब में बीजेपी खास नहीं कर सकी। दोनों चुनावों में बीजेपी को राज्य की 13 सीटों में से 2-2 पर ही जीत हासिल की। दोनों बार बीजेपी गुरदासपुर सीट पर जीत हासिल करने में सफल रही।

हवाई में माउई के जंगलों में लगी आग से..मरने वालों की संख्या 100 के पार

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी राज्य हवाई में माउई के जंगलों में लगी आग से मरने वालों की संख्या 100 के पार पहुंच गई है। बचाव दलों ने आसपास के इलाकों में और शवों की तलाश शुरु कर दी है। गवर्नर जोश ग्रीन ने बताया कि मृतकों की संख्या 99 से बढ़कर 101 हो गई है। अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग ने मृतकों की शिनाख्त करने के लिए साजोसामान के साथ पैथोलॉजिस्ट और तकनीशियन को तैनात किया है। ऐतिहासिक लहैना शहर में आग लगने के सप्ताह बाद कई पीड़ितों ने विस्थापित स्थानीय लोगों के लिए खाली कराए गए होटल के कमरों में रहने के लिए जाना शुरू कर दिया है। माउई काउंटी ने कहा कि बचाव दल के सदस्यों ने खोजी कुत्तों की मदद से करीब 32 प्रतिशत क्षेत्र की तलाशी ले ली है। माउई के पुलिस प्रमुख जॉन पेलेटियर के अनुसार, केवल तीन शवों की शिनाख्त हुई है। उन्होंने लापता लोगों के परिवार के सदस्यों से डीएनए नमूने उपलब्ध कराने की अपील की है। गवर्नर ने आगाह किया है कि सैकड़ों और शव बरामद हो सकते हैं। यह अमेरिका में एक सदी से भी ज्यादा वक्त बाद सबसे भीषण दावानल है। आग लगने की वजह का अभी पता नहीं चला है।

इस्लामिक स्टेट के सीरिया और इराक में अब भी 5,000 से 7,000 सदस्य

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र विशेषज्ञों ने कहा कि इस्लामिक स्टेट समूह के पूर्व में उसके गढ़ रहे सीरिया और इराक में अब भी 5,000 से 7,000 सदस्य हैं तथा उसके लड़ाके अफगानिस्तान में सबसे गंभीर आतंकवादी खतरा पैदा करते हैं। एक रिपोर्ट में कहा कि 2023 की पहली छमाही में इस्लामिक स्टेट द्वारा पैदा खतरा संघर्ष वाले क्षेत्रों में अधिक और गैर-संघर्ष वाले इलाकों में कम रहा।'' उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को सौंपी अपनी रिपोर्ट में कहा कि आतंकवादी समूह के नेतृत्व को पहुंचे नुकसान तथा सीरिया एवं इराक में उसकी कम गतिविधियों के बावजूद उसके फिर से सिर उठाने का खतरा बना हुआ है। विशेषज्ञों ने कहा, ''समूह ने आबादी से जुड़कर अपनी रणनीति में बदलाव किया और सावधानी से उन लड़ाइयों का चयन किया है जिसमें सीमित नुकसान होने की संभावना होती है। वह उत्तर पूर्वी सीरिया और पड़ोसी देशों सहित कमजोर समुदायों के लोगों की अपने समूह में भर्ती कर रहा है। इस्लामिक स्टेट ने 2014 में सीरिया तथा इराक के बड़े हिस्से पर कब्जा जमाने के बाद स्वयंभू खिलाफत की घोषणा की थी। इस्लामिक स्टेट को तीन साल तक चली लड़ाई के बाद 2017 में इराक में पराजित घोषित किया गया लेकिन उसके सदस्य अब भी दोनों देशों में सक्रिय हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि आतंकवाद रोधी अभियान निरंतर चलाए जाने के बावजूद इस्लामिक स्टेट के इराक तथा सीरिया में 5,000 से 7,000 सदस्य अब भी हैं, जिसमें ज्यादातर लड़ाके हैं'' और उसने ''लोगों की भर्ती करने तथा पुन- संगठित' होने के लिए जानबूझकर अपने हमले कम कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में इस्लामिक स्टेट समूह देश तथा क्षेत्र के समक्ष सबसे गंभीर आतंकवादी खतरा उत्पन्न करता है। उसके अफगानिस्तान में अनुमानित 4,000 से 6,000 लड़ाके हैं।

उत्तर कोरिया पहुंचे सैनिक ने अमेरिका सेना पर लगाया भेदभाव का आरोप

सियोल। उत्तर कोरिया ने दावा किया कि पिछले माह भारी सुरक्षा व्यवस्था वाली सीमा को पार कर देश में प्रवेश करने वाले अमेरिकी सैनिक ने अपने देश के समाज की असमानता और उसकी सेना में नस्ली भेदभाव से निराश होकर ऐसा किया था। यह अमेरिकी सैनिक ट्रैविस किंग को हिरासत में लेने की उत्तर कोरिया की पहली आधिकारिक पुष्टि है। दक्षिण कोरिया में तैनात ट्रैविस किंग 18 जुलाई को सीमावर्ती गांव के दौरे के दौरान उत्तर कोरिया में घुस गए थे। वह लगभग पांच वर्षों में उत्तर कोरिया में हिरासत में लिए जाने वाले पहले अमेरिकी बन गए। उत्तर कोरियाई अधिकारियों की जांच का हवाला देकर बताया कि किंग ने बताया कि उन्होंने उत्तर कोरिया में प्रवेश करने का फैसला किया क्योंकि ''उनके मन में अमेरिकी सेना के भीतर अमानवीय दुर्व्यवहार और नस्ली भेदभाव के विरुद्ध भावनाएं थीं।'' रिपोर्ट में कहा गया है कि किंग ने उत्तर कोरिया या किसी तीसरे देश में शरण लेने की इच्छा व्यक्त कर कहा कि वह ''अमेरिकी समाज में मौजूद असमानता से निराश हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि किंग के ''अवैध'' रूप से सीमा प्रवेश के मामले में जांच जारी रहेगी। हालांकि सरकारी मीडिया में आई किंग की टिप्पणियों की प्रामाणिकता की पुष्टि करना संभव नहीं है। अमेरिका, दक्षिण कोरिया और अन्य ने उत्तर कोरिया पर विदेशी बंदियों से राजनयिक छूट छीनने का आरोप लगाया है। कुछ विदेशी बंदियों ने अपनी रिहाई के बाद कहा कि उत्तर कोरिया की हिरासत में रहते हुए उनके अपराध की घोषणा दबाव के तहत की गई थी। अमेरिकी रक्षा विभाग की अधिकारी ने कहा कि अमेरिका के पास किंग के बारे में उत्तर कोरिया के दावों को सत्यापित करने का कोई तरीका नहीं है। अधिकारी ने कहा कि पेंटागन किंग को अमेरिका वापस लाने के लिए सभी उपलब्ध माध्यमों के जरिए काम कर रहा है। पूर्व सीआईए विश्लेषक सू किम ने कहा, ''यह वास्तव में शत प्रतिशत उत्तर कोरिया का दुष्प्रचार है। उत्तर कोरिया में कैद अमेरिकी नागरिक के तौर पर किंग को यह पता नहीं है कि (उत्तर कोरिया की ओर से) उनकी कहानी को कैसे पेश किया जा रहा है।'' उन्होंने कहा, जहां तक किंग की रिहाई का सवाल है, तब उनकी किस्मत अब उत्तर कोरिया के हाथों में है। शायद उत्तर कोरिया का शासन अमेरिका से वित्तीय रियायतों के बदले किंग के जीवन का सौदा करने की कोशिश करेगा। अधिक संभावना है कि बातचीत आसान नहीं होगी और शर्तें उत्तर कोरिया द्वारा तय की जाएगी।

लीबिया में हिंसक झड़पों में करीब 27 लोग की मौत

काहिरा। लीबिया की राजधानी में प्रतिद्वंदी मिलीशिया गुटों के बीच हुई हिंसक झड़पों में कम से कम 27 लोग मारे गए और लोगों को अपने-अपने घरों में कैद रहने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि वह सुरक्षित स्थानों पर नहीं जा सके। अधिकारी ने बताया कि ऐसा प्रतीत हो रहा है कि यह झड़प इस वर्ष त्रिपोली में सबसे बड़ी हिंसक झड़प है। खबरों के मुताबिक, 444 ब्रिगेड और स्पेशल डिटरेंस फोर्स के लड़ाकों के बीच देर रात को झड़प शुरू हुई थी। खबर के मुताबिक, 444 ब्रिगेड के वरिष्ठ कमांडर मोहम्मद हमजा को त्रिपोली के एक हवाईअड्डे पर प्रतिद्वंदी समूह ने कथित रूप से पकड़ लिया था, जिसके बाद तनाव पैदा हो गया। मानवीय आपदाओं और युद्ध के दौरान तैनात की गई चिकित्सीय इकाई ''इमरजेंसी मेडिसिन एंड सपोर्ट सेंटर'' ने बताया कि झड़प में 100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। अधिकारी के मुताबिक, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि मरने वाले लोग लड़ाके समूह के हैं या फिर आम नागरिक। लीबिया के रेड क्रीसेंट ने झड़पों पर कोई तत्काल टिप्पणी नहीं की है। मंगलवार को जारी रही झड़प के दौरान स्वास्थ्य मंत्रालय ने दोनों पक्षों से प्रभावित इलाकों में एंबुलेंस व आपात दलों को जाने देने और पास के अस्पतालों में रक्त की आपूर्ति करने की इजाजत देने का आग्रह किया।

गार्ड को चकमा देकर नशे में धुत दो अमेरिकी टूरिस्ट चढ़े एफिल टॉवर पर, चैन से बिताई रात

पेरिस (ईएमएस)। अमेरिका के दो टूरिस्ट फ्रांस की राजधानी पेरिस में स्थित एफिल टॉवर पर चढ़ गए। इतना ही नहीं उन्होंने रातभर आराम से गुजारी और सुबह जब गार्ड को पता चला तो उन्होंने दोनों को जगाया। बताया जा रहा है कि दोनों टूरिस्ट नशे में धुत थे। गौरतलब है कि पेरिस को दुनिया के सबसे प्रसिद्ध टूरिस्ट स्पॉट के रूप में जाना जाता है। पिछले साल इस टॉवर का लुत्फ उठाने के लिए करीब 6.2 मिलियन टूरिस्ट पहुंचे थे। हैरानी की बात तो यह है कि इस टॉवर पर दो अमेरिकी टूरिस्ट ऐसे पहुंचे कि वो इसके बंद होने के बाद भी इस पर पूरी रात गुजार गए। दरअसल, यह दोनों अमेरिकी टूरिस्ट नशे की हालत में एक रात पहले सिक्युरिटी एजेंसी को चकमा देकर ऊपर चढ़ गए और पूरी रात वहां पर रहकर गुजारी। इस टॉवर की देखरेख करने वाले सिक्युरिटी स्टॉफ को मंगलवार को उस वक्त इन दोनों टूरिस्ट का पता चला जब वो इसके सुबह खुलने से पहले चक्कर लगा रहे थे। मीडिया में आई रिपोर्ट के अनुसार एफिल टॉवर के खुलने का वक्त हर रोज सुबह 9 बजे का होता है। इससे पहले सुरक्षा में तैनात सिक्युरिटी गार्ड इसकी जांच पड़ताल व निरीक्षण करते हैं। सार्वजनिक स्वामित्व वाले टॉवर के संचालक सेटे के मुताबिक इस पर पूरी रात गुजारने वाले दोनों अमेरिकी टूरिस्ट को सुरक्षा गार्डों ने सुबह के वक्त जगाया। रिपोर्ट के मुताबिक आमतौर पर एफिल टॉवर का सेकंड और थर्ड लेवल आम लोगों के लिए बंद रहता है। लेकिन नशे में धुत्त अमेरिकियों ने टावर के इन दोनों के बीच की तारों के नीचे पूरी रात बिताई।

हवाई में जंगल की आग से लहेना शहर में सब कुछ खाक हो गया।

पीएम सुनक ने कहा...उनकी हिंदू आस्था उन्हें बेहतरीन कार्य करने की प्रेरणा देती हैं

लंदन। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि उनकी हिंदू आस्था उनके जीवन के सभी पहलुओं का मार्गदर्शन कर उन्हें देश के शासनाध्यक्ष के तौर पर बेहतरीन कार्य करने की प्रेरणा देती है। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के जीसेंस में आध्यात्मिक गुरु मोरारी बापू की 'रामकथा' चल रही है जिसमें प्रधानमंत्री सुनक ने हिस्सा लिया। सुनक ने भारत के स्वतंत्रता दिवस के दिन इस कार्यक्रम के संयोग को भी रेखांकित किया। 'रामकथा' में जुटी भीड़ के सामने सुनक ने अपना संबोधन शुरू करते हुए कहा, बापू, मैं यहां पर एक प्रधानमंत्री के तौर पर नहीं बल्कि हिंदू के तौर पर आया हूं।'' उन्होंने कहा, मेरे लिए आस्था बहुत ही निजी है। यह मेरे जीवन के सभी पहलुओं का मार्गदर्शन करती है। प्रधानमंत्री होना एक बड़े ही सम्मान की बात है लेकिन इस पद पर रहते कर्तव्यों का निवर्हन करना आसान नहीं है। मुश्किल फैसले लेने होते हैं, मुश्किल विकल्पों को आत्मसात करना होता है और मेरी आस्था मुझे देश के लिए काम करने का साहस, ताकत और जुझारूपन देती है।'' सुनक (43) ने उस विशेष पल को भी साझा किया जब उन्होंने 2020 में पहले भारतीय मूल के ब्रिटिश चांसलर (वित्त प्रभारी) होते हुए अपने आधिकारिक आवास 11 डाउनिंग स्ट्रीट पर दिवाली के दिन पहली बार दिया जलाया था। मोरारी बापू की रामकथा में मंच के पार्श्व में लगी भगवान हनुमान की स्वर्णिम तस्वीर का उल्लेख करते हुए सुनक ने कहा कि यह मुझे याद दिलाती है कि कैसे स्वर्णिम भगवान गणेश 10 डाउनिंग स्ट्रीट में मेरी मेज पर प्रसन्नतापूर्वक विराजमान हैं। उन्होंने कहा, यह मुझे कार्य करने से पहले मुद्दों को सुनने और उन पर विचार करने की निरंतर याद दिलाता है।

इमरान खान को नहीं मिली राहत, इस्लामाबाद कोर्ट ने 9 जमानत याचिकाएं की खारिज

इस्लामाबाद (एजेंसी)। इस्लामाबाद में पाकिस्तान की स्थानीय अदालतों ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की नौ याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिसमें हिंसक विरोध प्रदर्शन पर उनके खिलाफ दर्ज प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) के संबंध में जमानत की मांग की गई थी। इस्लामाबाद की आतंकवाद विरोधी अदालत (एटीसी) ने तीन जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं और अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीएसजे) मोहम्मद सोहेल ने खान के लिए गिरफ्तारी पूर्व जमानत की मांग करने वाली छह याचिकाएं खारिज कर दीं।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष के खिलाफ खन्ना और बरकाहू पुलिस स्टेशनों में एफआईआर दर्ज की गई थी। जियो न्यूज के अनुसार, न्यायाधीश ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के आलोक में इमरान खान की जमानत को बढ़ाया नहीं जा सकता है। संघीय राजधानी के कराची कंपनी, रमना, कोहसर, तरनूल और सचिवालय पुलिस स्टेशनों में कैद पीटीआई प्रमुख के खिलाफ छह मामले दर्ज किए गए थे। न्यायाधीश मुहम्मद सोहेल ने फैसले की घोषणा की और कहा कि यह सुविधाजनक होगा यदि पूर्व प्रधानमंत्री, जिन्हें पिछले साल संसदीय वोट के माध्यम से सत्ता से हटा दिया गया था, मामलों से संबंधित जांच में शामिल हों।

हालांकि, डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, एडीएसजे सोहेल ने तोशखाना उपहारों की फर्जी रसीद से संबंधित मामले में खान की पत्नी बुशरा बीबी की अंतरिम जमानत 7 सितंबर तक बढ़ा दी है। इस साल 9 मई को भ्रष्टाचार के एक मामले में पीटीआई प्रमुख की गिरफ्तारी के बाद हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया और पार्टी समर्थकों ने देश के कई हिस्सों में रक्षा और सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला कर दिया। दंगों में कथित संलिप्तता के लिए सैकड़ों पीटीआई कार्यकर्ताओं और नेताओं को गिरफ्तार किया गया था, जबकि अधिकारियों ने पूर्व प्रधान मंत्री पर हिंसक विरोध प्रदर्शन का मास्टरमाइंड होने का आरोप लगाया था।

नाइजर समस्या के कूटनीतिक समाधान पर है अमेरिका का ध्यान : ब्लिंकन

वाशिंगटन। अमेरिका का ध्यान नाइजर समस्या के कूटनीतिक समाधान की और अधिक है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा है कि नीजर में जुंटा द्वारा तख्तापलट की कोशिश के परिणामस्वरूप चल रहे राजनीतिक संकट को हल करने के लिए अमेरिका अभी भी कूटनीति पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित कर रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ब्लिंकन ने विदेश विभाग में एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान संवाददाताओं से कहा ?कि हम जो परिणाम चाहते हैं, यानी संवैधानिक व्यवस्था में वापसी, उसे प्राप्त करने के लिए कूटनीति पर बहुत ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि वह परिणाम हासिल करने में कूटनीति की गुंजाइश बनी हुई है। ब्लिंकन की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब पश्चिम अफ्रीकी देश और उसके आसपास तनाव बना हुआ है। जानकारी के अनुसार एक क्षेत्रीय गुट ने नीजर में संवैधानिक व्यवस्था बहाल करने के लिए अतिरिक्त बल की सक्रियता और तैनाती की घोषणा की थी। यह निर्णय नीजर के हालात पर नाइजीरिया के अबुजा में एक शिखर बैठक में इकोनॉमिक कम्युनिटी ऑफ वेस्ट अफ्रीकन स्टेट्स के सदस्य देशों के अध्यक्षों और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किया गया।

ट्रंप के खिलाफ चौथा आपराधिक मामला दर्ज, 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के परिणाम को पलटने का आरोप

वॉशिंगटन (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप पर जॉर्जिया राज्य में 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के परिमाम को पलटने का आरोप है। अमेरिका के पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ चौथा आपराधिक मामला है। दूसरी बार है जब उन पर चुनाव के नतीजों को पलटने की कोशिश करने का आरोप लगा है। ट्रंप पर कुल 13 आरोप तय हुए हैं। इसमें जॉर्जिया राज्य के रैकेटियरिंग अधिनियम का उल्लंघन भी शामिल था। अन्य आरोप एक सार्वजनिक अधिकारी की याचना करने, एक सार्वजनिक अधिकारी का प्रतिरूपण करने की साजिश रचने, प्रथम श्रेणी में जालसाजी करने की साजिश रचने और झूठे दस्तावेज दाखिल करने की साजिश रचने के बारे में है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर ट्रंप चुनाव जीते तो संभव है कि वह खुद की सजा माफ कर देंगे। ऐसी स्थिति अमेरिका में पहले कभी देखी नहीं गई है और ना ही इससे जुड़े कोई नियम हैं। बहुत हद तक सुप्रीम कोर्ट इसमें दखल कर सकता है। अगर केस राष्ट्रपति बनने के बाद भी चलता रहा तो वह मामले को खारिज करने की भी कोशिश कर सकते हैं।

आगे क्या होगा

जल्दी सुनवाई हो पाएगी ऐसे आसार नजर नहीं आते। ट्रंप के खिलाफ कई केस हैं। सभी केस एक ही समय नहीं चलाए जा सकते। आसार कम हैं कि चुनाव के दौरान मुख्य केस की सुनवाई हो।

राष्ट्रपति चुनाव लड़ सकेंगे

अमेरिकी कानून के तहत अगर किसी शख्स पर आपराधिक आरोप लगे हों, या भले ही वह जेल में हों तो भी उसे राष्ट्रपति का चुनाव लड़ने से कोई नहीं रोक सकता।

ताजिकिस्तान में आया भूकंप...भारत में मेघालय में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए

दुशान्बे (एजेंसी)। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, बुधवार को ताजिकिस्तान में 4.2 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। भूकंप 2ः56 बजे, 37.72 अक्षांश और 72.12 देशांतर पर आया। एनसीएस के मुताबिक भूकंप की गहराई 95 किलोमीटर दर्ज की गई। इसके पहले मई में ताजिकिस्तान में 4.3 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसकी गहराई 50 किमी दर्ज की गई। भूकंप से किसी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर सामने नहीं आई है। भारत के मेघालय और बांग्लादेश के उत्तरी क्षेत्र में भी सोमवार शाम भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए? थे। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.4 मापी गई।

नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने बताया कि भूकंप रात 8.19 बजे आया। यह मेघालय में चेरापूंजी से 49 किमी दक्षिण-पूर्व में महसूस किया गया। भूकंप की गहराई 16 किलोमीटर थी। क्षेत्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के एक अधिकारी ने बताया कि भूकंप का केंद्र बांग्लादेश में था, जो मेघालय के पश्चिमी जैंतिया हिल्स जिले के दाउकी इलाके के करीब था। भूकंप का झटका मेघालय के सभी जिलों के अलावा असम और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में भी महसूस किया गया। भारत के पूर्वोत्तरी राज्य उच्च भूकंपीय क्षेत्र में आते हैं। इन क्षेत्रों में अक्सर भूकंप के झटके महसूस होते हैं।

जियोलॉजिस्ट के मुताबिक भूकंप की असली वजह टेक्टोनिक प्लेटों में तेज हलचल होती है। इसके अलावा माइन टेस्टिंग, वोल्केनिक इरप्शन और न्यूक्लियर टेस्टिंग की वजह से भी भूकंप आते हैं। जब धरती के नीचे की सतह में टेक्टॉनिक प्लेटें आपस में टकराती हैं या टूटती हैं, तब एनर्जी उत्पन्न होती है, जो बाहर निकलने का रास्ता खोजती है। यह एनर्जी जहां उत्पन्न होती है, उस जगह को भूकंप का केंद्र कहते हैं। इस हाइपरसेंटर भी कहते है। यह धरती के लिथोस्फीयर में एनर्जी के अचानक रिलीज हो जाने की वजह से बनने वाली सिस्मिक वेव से होता है। भूकंप की तीव्रता और समय का पता लगाने के लिए सिस्मोग्राफ का इस्तेमाल होता है। इसके अलावा रिक्टर स्केल भूकंप की तरंगों की तीव्रता मापने का पैमाना है, इस रिएक्टर मैग्नीट्यूड टेस्ट स्केल कहा जाता है।

लड़कियों को शिक्षा से वंचित करने के लिए आईसीसी को तालिबान के खिलाफ मुकदमा चलाना चाहिए: संरा दूत

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। वैश्विक शिक्षा मामलों के संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत ने कहा है कि अफगान लड़कियों एवं महिलाओं को शिक्षा एवं रोजगार से वंचित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) को मानवता के खिलाफ अपराध के आरोप में तालिबानी नेताओं के खिलाफ मुकदमा चलाना चाहिए। गॉर्डन ब्राउन ने मंगलवार को अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के दो साल पूरे होने पर ऑनलाइन संयुक्त राष्ट्र प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि तालिबान के शासक ''आज दुनिया में महिलाओं के अधिकारों और लड़कियों के अधिकारों के सबसे गंभीर, क्रूरतम और अक्षम्य हनन'' के लिए जिम्मेदार हैं।

ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने आईसीसी अभियोजक करीम खान को एक कानूनी राय भेजी है जिसके मुताबिक शिक्षा और रोजगार से वंचित करना ''लैंगिक भेदभाव है, जिसे मानवता के खिलाफ अपराध के रूप में देखा जाना चाहिए और इस पर आईसीसी द्वारा मुकदमा चलाया जाना चाहिए।'' आतंकवाद के खिलाफ 20 वर्षों के युद्ध के बाद अमेरिकी और नाटो सुरक्षा बलों की वापसी के अंतिम सप्ताह के दौरान अगस्त 2021 में तालिबान ने देश की सत्ता पर कब्जा कर लिया था। तालिबान ने 1996 से 2001 तक अफगानिस्तान के अपने पिछले शासन के दौरान इस्लामी कानून या शरिया के कठोर नियमों को लागू किया था और इस बार भी वह यही कर रहा है जिसके तहत लड़कियों को छठी कक्षा से आगे स्कूल जाने और महिलाओं के नौकरियों, सार्वजनिक स्थानों और जिम जाने पर पाबंदी लगा दी गई है।

हाल में तालिबान शासन ने ब्यूटी सैलून को भी बंद कर दिया। ब्राउन ने प्रमुख मुस्लिम देशों से मौलवियों का एक प्रतिनिधिमंडल तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबतुल्ला अखुंदजादा का घर मानने जाने वाले अफगानिस्तान के दक्षिणी शहर कंधार में भेजने का आग्रह किया, ताकि यह साफ किया जा सके कि महिलाओं की शिक्षा और रोजगार पर प्रतिबंध का ''कुरान या इस्लामी धर्म में कोई उल्लेख नहीं है'' और इन पाबंदियों को हटाया जाए। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि शिक्षा मंत्रालय और सरकार में मतभेद हैं, और कई पक्ष लड़कियों के शिक्षा के अधिकारों को बहाल होते देखना चाहते हैं।

तालिबान के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने सोमवार देर रात काबुल में एसोसिएटेड प्रेस (एपी) के साथ साक्षात्कार में लड़कियों और महिलाओं पर प्रतिबंधों के बारे में सवालों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि यथास्थिति बनी रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि तालिबान अफगानिस्तान में अपने शासन को ऐसा खुला शासन मानता है, जिसे इस्लामी कानून से वैधता हासिल है और उसे कोई उल्लेखनीय खतरा नहीं है। ब्राउन ने कहा कि तालिबान को बताया जाना चाहिए कि अगर लड़कियों को फिर से माध्यमिक विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में जाने की अनुमति दी जाती है तो अफगानिस्तान को शिक्षा सहायता, बहाल कर दी जाएगी, जिसे प्रतिबंध के बाद बंद कर दिया गया था।

अब ईसाईयों पर कहर बरपा रहे पाकिस्तानी, कट्टरपंथियों ने चर्च को फूंका

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के फैसलाबाद में एक ईसाई परिवार पर ईशनिंदा का आरोप लगने के बाद कई चर्चों में तोड़फोड़ की गई और आसपास की ईसाई बस्तियों में तोड़फोड़ की गई। यह घटना बुधवार को फैसलाबाद के जरनवाला जिले में हुई। सफाई का काम करने वाले एक ईसाई व्यक्ति द्वारा कुरान के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी करने के बाद स्थानीय मुस्लिम नाराज हो गए। न केवल उनके घर को ध्वस्त कर दिया गया, बल्कि भीड़ ने इलाके के चर्चों और अन्य ईसाई बस्तियों में भी तोड़फोड़ की। सोशल मीडिया पर वीडियो में एक उन्मादी भीड़ को चर्चों पर चढ़ते और ईसाइयों के प्रति श्रद्धा के प्रतीक पवित्र क्रॉस को लात मारते हुए दिखाया गया है।

कुछ वीडियो में यह भी दिखाया गया है कि अगर पुलिस 'ईशनिंदा करने वालों÷ के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रहती है तो मुस्लिम मौलवी भीड़ को इकट्ठा होने के लिए उकसा रहे हैं। डॉन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पंजाब पुलिस प्रमुख उस्मान अनवर ने कहा कि वे प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत कर रहे हैं और इलाके की घेराबंदी कर दी गई है. हालाँकि, स्थानीय ईसाइयों ने शिकायत की कि पुलिस मूकदर्शक बनी रही क्योंकि उनके घरों में तोड़फोड़ की गई। पुलिस ने आरोपी ईसाई व्यक्ति के खिलाफ पाकिस्तान की धारा 295बी (पवित्र कुरान को अपवित्र करना आदि) और 295सी (पवित्र पैगंबर के संबंध में अपमानजनक टिप्पणियों का उपयोग आदि) के तहत पहली सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की।

चर्च ऑफ पाकिस्तान के अध्यक्ष बिशप आजाद मार्शल ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा कि बाइबिल का अपमान किया गया और ईसाइयों पर पवित्र कुरान का उल्लंघन करने का झूठा आरोप लगाया गया और उन्हें प्रताड़ित किया गया। हम कानून प्रवर्तन और न्याय प्रदान करने वालों से न्याय और कार्रवाई की मांग करते हैं और सभी नागरिकों की सुरक्षा के लिए तुरंत हस्तक्षेप करते हैं और हमें आश्वस्त करते हैं कि हमारी अपनी मातृभूमि में हमारा जीवन मूल्यवान है जिसने अभी-अभी स्वतंत्रता और आजादी का जश्न मनाया है।

संपादकीय

स्वतंत्रता की धूमधाम

कन्याकुमारी से कश्मीर तक देश भर में 77वां स्वतंत्रता दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। लाल किले पर आयोजित मुख्य आयोजन भी भव्य और प्रभावी रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में अपनी सरकार के तमाम कार्यों को गिनाया और साफ कहा कि अगली बार भी वही लाल किले से उपलब्धियां गिनाएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगले पांच साल अभूतपूर्व विकास के हैं। 2047 के सपने को साकार करने का स्वर्णिम क्षण अगले पांच साल हैं। आत्मविश्वास से लबरेज भाषण में प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें तीन बुराइयों- भ्रष्टाचार, वंशवाद की राजनीति और तुष्टीकरण के खिलाफ पूरी ताकत से लड़ना होगा। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा है कि देश में गलत तरीके से कमाई गई संपत्तियों की जब्ती 20 गुना बढ़ गई है। प्रधानमंत्री के अनुसार, सन् 2047 में विकसित भारत सिर्फ एक सपना नहीं है, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का संकल्प है। वाकई किसी भी विकसित राष्ट्र के लिए सबसे बड़ी ताकत राष्ट्रीय चरित्र है। अगर चरित्र सुधार लिया, तो विकास की हमारी रफ्तार बहुत तेज हो जाएगी। इसके लिए सबसे पहले नेताओं को ही कथनी-करनी का भेद मिटाना होगा। जीवन के हरेक मोर्चे पर हमें भ्रष्टाचार के खिलाफ शून्य सहिष्णुता का परिचय देना होगा, तभी हमारा विकास रथ तेजी से विकसित देश की ओर बढ़ेगा। प्रधानमंत्री ने लाल किले से मणिपुर को भी याद किया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सप्ताह में मणिपुर में हिंसा के चलते अनेक लोगों की जान चली गई और मां-बेटियों के सम्मान को भी काफी ठेस पहुंची, लेकिन पिछले कुछ दिनों से शांति की खबरें आ रही हैं। राष्ट्र मणिपुर के साथ है। बेशक, मणिपुर के लोगों को लाल किले से संबोधित करना जरूरी था। यह जरूरी है कि मणिपुर के लोग स्वयं आगे आकर राज्य में शांति बहाल रखें। मणिपुर हिंसा अगर नहीं हुई होती, तो हमारा यह स्वतंत्रता दिवस और भी खास होता। बहुत हद तक देश के तमाम उपद्रवग्रस्त इलाके शांति की राह पर चल पड़े हैं। संगठित हिंसा में कमी आई है, केवल मणिपुर है, जिसने अमन-चैन पर दाग लगाया है। 77वें स्वतंत्रता दिवस से प्रेरणा लेकर मणिपुर में अमन-चैन को सुनिश्चित करना चाहिए। जम्मू-कश्मीर में भी अभूतपूर्व धूमधाम से स्वतंत्रता दिवस मनाया गया है। न केवल श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम में स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए भारी भीड़ उमड़ी, बल्कि श्रीनगर के ख्यात लाल चौक पर भी लोगों को तिरंगा लहराते देखा गया। नागरिकों पर कोई प्रतिबंध नहीं था। इंटरनेट पर भी कोई प्रतिबंध नहीं था, इससे भी कश्मीर में उत्सव का माहौल बन गया। इस केंद्रशासित प्रदेश में जगह-जगह स्वतंत्रता दिवस पर आयोजन हुए हैं। तिरंगा रैलियां निकली हैं। सभी सरकारी कार्यालयों और अन्य इमारतों को तिरंगे थीम में रोशन किया गया। कुल मिलाकर, देश के लिए 77वां स्वतंत्रता दिवस यादगार बन गया। इस बार स्वतंत्रता दिवस पर आम लोगों की भागीदारी भी खूब देखी गई है। तीन दिवसीय अभियान के तहत मंगलवार दोपहर 12 बजे तक केंद्र सरकार की हर घर तिरंगा वेबसाइट पर राष्ट्रीय ध्वज के साथ देश दुनिया से 8.8 करोड़ से अधिक लोगों ने अपनी सेल्फी अपलोड की। लोग पहले भी खुशी मनाते थे, मगर सोशल मीडिया पर खुशी साझा करने के आह्वान पर लोगों की प्रतिक्रिया हर्ष का विषय है। लोगों को अगर इसी तरह से भागीदार बनाकर चला जाए, तो अमृतकाल में तेज विकास में ऐसी भागीदारी अहम भूमिका निभा सकती है।

आज का राशीफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ के योग हैं।

वृषभ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। वाद-विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। जारी प्रयास सार्थन होगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है।

कर्क पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मैत्री संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। पड़ोसी या अधीनस्थ कर्मचारी से विवाद हो सकता है। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कन्या पिता का भरपूर सहयोग मिलेगा और उससे प्रगति भी होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी में सौम्यता बनाये रखे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। मकान या सम्पत्ति के मामले में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शासन सत्ता या घर के मुखिया के कारण तनाव मिल सकता है। देशाटन या व्यावसायिक यात्रा फलीभूत होगी। निजी संबंध मधुर होंगे। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।

धनु शासन सत्ता का लाभ मिलेगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। आर्थिक मामलों में सुधार होगा। षड्यंत्र की आशंका है। कोई सुखद समाचार मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। स्थानान्तरण या अन्य व्यावसायिक लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग की संभावना है। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें, कर्ज की स्थिति आ सकती है।

लालकिले से कही प्रधानमंत्री ने मन की बात!

(लेखक-ऋतुपर्ण दवे)

भारतीय महिलाओं की विशेष चर्चा करते हुए कहा कि पूरी दुनिया इनका सामर्थ्य देख दंग है। अब कृषि के क्षेत्र में ड्रोन संचालन में भी महिला स्व-सहायता समूहों की बड़ी भूमिका होगी।इससे एग्रीटेक क्षेत्र में नई क्रान्ति होगी। भारत द्वारा दिए गए नारे वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड तथा भारत की मेजबानी और जी-20 का दिया नारा वन अर्थ,वन फैमिली,वन फ्यूचर का खास जिक्र किया। सुप्रीम कोर्ट के फैसलों को मातृभाषा में भी उपलब्ध कराने पर आभार जताया।

लालकिले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का इस बार का उद्बोधन काफी अलग था, बल्कि यूँ कहें कि नए मिजाज और नए रिवाज साथ के साथ मन की बात तो गलत नहीं होगा।हर बार से अलग'परिवारजनों' शब्द बोलकर शुरुआत कर इतना संकेत तो दे दिया था कि वो न केवल अलग बोलेंगे बल्कि ऐसा जिसके राजनीतिक मायने बहुत गहरे होंगे। वही हुआ। अपनी सरकार की उपलब्धियों का खाका खींचते हुए बड़ी बेबाकी से 2014 से अब तक के सफर पर प्रकाश डाला। मणिपुर का भी जिक्र कर जताया कि वो भी उतने चिंतित हैं जितने दूसरे। गुलामी के एक हजार वर्षों कीबात कहउन्होंने कहा कि हम ऐसे संधिकाल में हैं जहाँ आगे के हजार साल की दिशा तय करनी है। युवाओं का कई बार जिक्र कर भरोसा जताते हुए कहा दुनिया में भारत अकेला ऐसा देश है जहां 30 वर्ष के युवा जनसंख्या में अधिक हैं,यही हमारी ताकत हैं। इनकी कोटि-कोटि भुजाएं और मस्तिष्क की क्षमताएँ देश को दुनिया में अलग स्थान देने तत्पर है। विश्व इन प्रतिभाओं से चकित है क्योंकितकनीक के दौर में इनके टेलेण्ट से हम दुनिया में नई भूमिका में होंगे। महानगरों से लेकर दूर-दराज छोटे कस्बों में भी डिजिटल इण्डिया की धूम युवाओं के कमाल से है। प्रधानमंत्री को सुनने भारत के सीमावर्ती इलाकों के 600 गांवों के प्रधान भी आमंत्रित थे जिनका जिक्र करते हुए कहा कि जो कभी सीमावर्ती गांव होते थे आज वो पहली पंक्ति के हैं। ऐसा बदलाव बड़ी इच्छा शक्ति से संभव हो पाया है। गठित नए मंत्रालयों की जरूरतबताते हुएकहा कि इससे कैसे-कैसे परिवर्तनऔर बेहतरी होगी। घर-घर पेयजल, पर्यावरण में सुधार के साथ मत्स्य पालन, पशु पालन, डेयरी उद्योग की बेहतरी होगी। सहकारिता मंत्रालय से अलग-अलग तबकों कोफायदा होगा।जब उनकी सरकार 2014 में सत्ता आई थी तब दुनिया में हमारी वैश्विक अर्थव्यवस्थादसवें क्रम पर थी, आज पांचवें पर है। हरित ऊर्जा, सौर्य ऊर्जा, वंदेभारत-बुलेट ट्रेन, बेहतर सड़कें, इलेक्ट्रिक बसें, 5-जी, क्वांटम कंप्यूटर, नैनो यूरिया, जैविक खेती उपलब्धियां हैं।उन्होंने बड़े आत्मविश्वास से कहा जिसका हम शिलान्यास करते हैं उसका उद्घाटन भी करते हैं। बड़ा सोचना और दूर का सोचना हमारी कार्यशैली है। 200 करोड़ वैक्सीनेशन पूरा करने का सामर्थ्य दुनिया के लिए उदाहरण है। 75 हजार अमृत सरोवर की कल्पना साकार होने वाली है। निश्चित रूप से जलशक्ति, जनशक्ति से पर्यावरण की दिशा में भी भारत बहुत आगे जा चुका है। अगले महीनेसे एक नई विश्वकर्मा योजना का एलान भी किया। इस दिन 13-15 हजार करोड़ रुपये से इसके जरिए पारंपरिक कौशल में लगे लोगों को मदद पहुंचेगी। नई संसद का जिक्र करते हुए कहा पुरानी संसद में कम जगह की चर्चा तो पिछले 25 सालों से हमेशा होती थी लेकिन नई संसद को पूरा कर दिखाने का सामर्थ्य मोदी ने ही दिखाया। उन्होंने कहा नया भारत न रुकता है, न थकता है न हाँफता है, न हारता है, इसीलिए सीमाएं सुरक्षित हुईं। सेना में बदलावों से ही सुरक्षा की अनुभूति हुई है। आतंकी-नक्सली हमलों में जबरदस्त कमीं का बड़ा परिवर्तन दिखा।अपने सपने का घर हर कोई बनाना चाहता है। पैसों की दिक्कत के कारण पूरा नहीं हो पाता और मजबूरी मेंकिराए के घर में रहना पड़ता है। इनके लिए सरकार की भावी योजना आ रही हैजिसमें ब्याज पर लाखों रुपए की राहत मिलेगी।

भारतीय महिलाओं की विशेष चर्चा करते हुए कहा कि पूरी दुनिया इनका सामर्थ्य देख दंग है। अब कृषि के क्षेत्र में ड्रोन संचालन में भी महिला स्व-सहायता समूहों की बड़ी भूमिका होगी।इससे एग्रीटेक क्षेत्र में नई क्रान्ति होगी। भारत द्वारा दिए गए नारे वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड तथा भारत की मेजबानी और जी-20 का दिया नारा वन अर्थ,वन फैमिली,वन फ्यूचर का खास जिक्र किया। सुप्रीम कोर्ट के फैसलों को मातृभाषा में भी उपलब्ध कराने पर आभार जताया। अब जजमेंट का ऑपरेटिव पार्ट आवेदक की स्थानीय भाषा में मिलेगा।

2023 में 10 वीं बार दिया उनका भाषण 90 मिनट का था। 2022 में 84 मिनट 4 सेकेण्ड, 2021 में 88 मिनट, 2020 में 86मिनट, 2019में 92 मिनट, 2018 का 82 मिनट, 2017 में 57 मिनट, 2016 में 94 मिनट, 2015 में 86 मिनट तथा 2014 में 65 मिनट का भाषण दिया था। सबसे छोटा भाषण 2017 में दिया था जबकि सबसे बड़ा भाषण 2016 में दिया। एक गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री के रूप में लगातार 10 बार भाषण देकर प्रधानमंत्री ने कुल 13 घण्टे 46 मिनट 4 सेकेण्ड तक लालकिले की प्राचीर से देश को संबोधित किया।

उनका दो बार कहना 'मेरे शब्द लिखकर रख लीजिए'बड़े इशारे हैं।पहली बार 'मेरे शब्द लिखकर रख लीजिए, इस कालखंड में हम जो करेंगे, जो कदम उठाएंगे, त्याग करेंगे, तपस्या करेंगे उससे आने वाले एक हजार साल का देश का स्वर्णिम इतिहास उससे अंकुरित होने वाला है।'दूसरी बार कहा 'इन दिनों जो मैं शिलान्यास कर रहा हूं, आप लिखकर रख लीजिए, उनका उद्घाटन भी आप सब ने मेरे नसीब में छोड़ा हुआ है।'प्रधानमंत्री ने स्वयं अपनी रणनीतिक आक्रामक व तिलमिला देने वाली शैली के तहत भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण के खिलाफ पूरे सामर्थ्य से लड़ने की बात कहने के साथ ही2024 में भी लालकिले से फिर संबोधन की बात कह विपक्ष पर जो तगड़ा प्रहार किया है उस पर एक अलग बहस तय है। जब आप यह पढ़ रहे होंगे तब तक तेजी से चर्चा भी शुरू हो चुकी होगी।

इतना तो साफ है कि कहीं न कहीं प्रधानमंत्री ने 2024 की जबरदस्त तैयारियों के संकेत भीदिए। 2014 में सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों का नाम लेकर सभी को देश कीउपलब्धियों से जोड़ने वाले नरेन्द्र मोदी 2023 में बेहद बदले, अलग व सख्त तेवर में दिखे। रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म पर बोलने के मायने बहुत गहरे हैं। खास ब्यूरोक्रेट्स को इसका श्रेय देना और जताना किमेरे लाखों हाथ-पैर देश के कोने-कोने में सरकार की जिम्मेदारियाँ बखूबी निभा रहे हैं कहना बड़ी राजनीतिक चतुराई है।यह विश्वास जताना क्या बताता है कहने की जरूरत नहीं। अब इसे 2024 का शंखनाद कहे, चुनावी भाषण या देश की मौजूदा तस्वीर। हां इतना तो है कि लालकिले से इस बार मोदी ने मन बात जरूर कही है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार और स्तंभकार हैं।)

भारत नाम में है संस्कृति की झलक

(लेखक-सुरेश हिन्दुस्थानी)

वर्तमान में भारत और इंडिया नाम की चर्चा राजनीतिक क्षेत्र में भी सुनाई देने लगी है। हम यह भली भांति जानते हैं कि भारत को पुरातन काल से कई नामों से संबोधित किया गया। जिसमें जम्बूद्वीप, भारतवर्ष, आर्यावर्त, हिंदुस्तान और इंडिया के नाम का उल्लेख मिलता है। लेकिन यह भी एक बड़ा सच है कि इंडिया शब्द गुलामी की याद दिलाता है, क्योंकि यह शब्द अंग्रेजों ने दिया। अंग्रेजों ने भारत की सांस्कृतिक विरासत को मिटाने का भरसक प्रयास किया। सांस्कृतिक रूप से एकता का भाव स्थापित करने वाले समाज के बीच दरार डालने की राजनीति की गई। जिससे देश भी कमजोर होता चला गया और समाज कई वर्गों में विभाजित हो गया। आज भी सामाजिक भेदभाव की इस खाई को और चौड़ा करने का लगातार प्रयास किया जा रहा है, जिससे भारतीय समाज को सावधान होने की आवश्यकता है, नहीं तो वही अंग्रेजों की इंडिया वाली मानसिकता विकराल रूप धारण कर हमारे सामने बड़ा संकट पैदा कर सकती है।

अब आवश्यकता इस बात की है कि इंडिया शब्द को मिटाकर उसके स्थान पर भारत को स्थापित किया जाए। भारत में लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था का संचालन करने वाले जनप्रतिनिधि संसद के दोनों सदनों, विधानसभाओं और नगरीय परिषद सभाओं में भी हिन्दी और अंग्रेजी में प्रश्न पूछते समय और उत्तर देते समय देश और देशवासियों को अपमानित कर देने वाले शब्द इंडिया और इंडियन का नहीं, बल्कि हमें गर्वित कर देने वाले भारत शब्द से हमारे देश को संबोधित करें। पूरी दुनिया अभी हिन्दुस्तान को इंडिया नाम से संबोधित करती है। हमें गर्व उस समय होगा जब पूरा विश्व हिन्दुस्तान को इंडिया नहीं, बल्कि भारत के नाम से संबोधित करेगा। पूरा देश एक मत से खड़ा होकर सिर्फ यही जवाब देता कि बहुत हुआ अब और नहीं झेलेंगे अंग्रेजों की गुलामी। अब हिन्दुस्तान गुलामी की जंजीरें तोड़कर न केवल अपने पैरों पर खड़ा है, बल्कि पूरे विश्व को अपने साथ लेकर प्रगति पथ पर दौड़ाने की नेतृत्व क्षमता भी रखता है। इस कारण अब अंग्रेजियत की हर वह निशानी मिटानी होगी जो हमें गुलामी की याद दिलाकर निराशा के अंधेरे कुंए में धकेलने का काम करती है। इसके अलावा अगर भारत देश के बारे में आध्यात्मिक भाव से अध्ययन किया जाए तो केवल यही कहा जा सकता है कि भारत में आध्यात्म ही एक ऐसा क्षेत्र है जिसका मुकाबला विश्व का कोई भी देश नहीं कर सकता। हम जानते हैं कि भारत में जो भी धार्मिक नगरी हैं वहां कई अंग्रेज ऐसे मिल जाते हैं जो अपने देश से केवल घूमने के उद्देश्य से आते हैं, लेकिन भारत की सांस्कृतिक धारा में इस प्रकार रम जाते हैं कि फिर यहीं के होकर रह जाते हैं फिर अपने देश में जाने का नाम भी नहीं लेते। क्या भारतीय संस्कृति का यह उदाहरण वैश्विक सर्वग्राह्यता का प्रतीक नहीं है। इतना ही नहीं, वर्तमान में पूरे विश्व में भारतीय संस्कृति के प्रति लोगों का झुकाव निरंतर बढ़ता ही जा रहा है। हमारे आध्यात्मिक ग्रंथों का अध्ययन किया जाए तो वह भी भारत नाम को ही उच्चारित करते हैं, इंडिया नाम तो उसमें नहीं है। तभी तो कहा गया है कि हिमालयं समारभ्य यावदिंदुसरोवरम्। तं देवनिर्मितं देशं हिंदुस्थानं प्रचक्ष्यते। हमारे देश को देव निर्मित माना जाता है। इसी प्रकार उत्तरं यत्समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम्। वर्षं तद् भारतं नाम भारती यत्र संततिः। इस श्लोक में भारत वर्ष में निवास करने वाली संतति के बारे में बताया है कि यहां की जनता भारतीय है, इंडियन नहीं। जिस भारत की कल्पना हमारे मनीषियों ने की थी, वैसा भारत बनाने के लिए इंडिया नाम से मुक्ति दिलानी होगी। क्योंकि इंडिया के संस्कार और भारत के संस्कार एक जैसे नहीं हो सकते। आज हमारे देश में जिस प्रकार से संस्कारों की कमी दिखाई दे रही है, वह मात्र और मात्र इंडिया की मानसिकता के कारण ही है। भारत में यह सब नहीं चलता। हम इंडियन नहीं, भारतीय बनें। तभी हमारी भलाई है और यही राष्ट्रीय हित भी है। इसके बाद फिर से वैसा ही सांस्कृतिक भारत उदित होगा, जो विश्व गुरु की झलक प्रस्तुत करेगा।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

विचार मंथन

2024 में लाल किले की प्राचीर से संबोधित करेंगे मोदी?

(लेखक - सनत जैन)

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से 88 मिनट का संबोधन दिया। इस संबोधन में उन्होंने कहा, कि अगले साल भी वह लाल किले से देश को संबोधित करेंगे। मोदी ने अपने संबोधन में 5 सालों का एजेंडा सेट करते हुए, 2047 और 1000 वर्ष तक का आगामी प्लान,लाल किले की प्राचीर से भारत की जनता को बता दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मणिपुर की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा, कि अब वहां पर शांति स्थापित हो रही है।उन्होंने मणिपुर की जनता से शांति का रास्ता अपनाने की अपील की। 3 महीने बाद प्रधानमंत्री ने शां ति की अपील की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से जो संबोधन दिया है।उसको लेकर देश भर में तरह-तरह की प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। विपक्ष और सोशल मीडिया में कहा जा रहा है, कि 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के दिन लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री को चुनाव का आगाज नहीं करना चाहिए था। यह दिन देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद करने और देश के विकास, लोगों की आर्थिक और सामाजिक उन्नति के बारे में संबोधन होता है। 1947 के बाद से सभी प्रधानमंत्री स्वतंत्रता, एकता, अखंडता और लोकतंत्र को लेकर संबोधित करते रहे हैं। उसमें राजनीति की नहीं,राष्ट्रहित की बातें हुआ करती थी। प्रधानमंत्री मोदी ने जो कुछ भी कहा, वह आगामी लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखकर किया। जिसके कारण स्वतंत्रता दिवस का यह संबोधन विवादित हो गया है। 15 अगस्त 26 जनवरी ऐसे 2 राष्ट्रीय त्योहार हैं।जिनमें देश की स्वतंत्रता, एकता,अखंडता, सामाजिक सद्भाव, आर्थिक प्रगति और विकास कार्यों को लेकर सरकार की उपलब्धियों पर बातें होती रही हैं। इस बार का संबोधन विपक्षियों पर हमला करने और चुनाव के लिए सीधे-सीधे मतदाताओं से वोट मांगने के लिए, लाल किले से किया गया है। जिसके कारण लाल किले से किया गया संबोधन विवादों में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कहना, कि वह 2024 में लाल किले की प्राचीर से झंडा वंदन करेंगे। यह कहकर उन्होंने आलोचकों को यह कहने का मौका दे दिया है, कि वह लोकतंत्र पर विश्वास नहीं करते हैं। जनता 5 साल के लिए अपना प्रतिनिधि चुनती है जिस राजनीतिक दल को बहुमत मिलता है। वही अपना नेता चुनता है। वही प्रधानमंत्री बनता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं को, 2024 का स्वयंभू प्रधानमंत्री घोषित कर दिया है। इसको लेकर देश भर के राजनीतिक दलों में घमासान छिड़ गया है। विपक्ष के राजनैतिक दल महंगाई और बेरोजगारी को लेकर लगातार वर्तमान सरकार पर प्रहार कर रहे हैं। मणिपुर की घटनाओं को लेकर भी विपक्ष ने संसद सत्र के दौरान काफी हंगामा मचाया। अपने भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महंगाई के लिए कोरोना संकट को जिम्मेदार ठहरा दिया है। वहीं महंगाई के लिए आयातित सामान, महंगा आने के कारण महंगाई बढ़ने का कारण बताया। गैस सिलेंडर,सब्जियों के दाम, टमाटर, पेट्रोल-डीजल और दालों की महंगाई को लेकर, उन्होंने आयात को प्रमुख कारण बताते हुए सरकार का बचाव किया। हिंसक घटनाओं का ठीकरा उन्होंने विपक्ष के ऊपर फोड़ दिया। असंतुलित विकास और तुष्टिकरण भ्रष्टाचार और परिवारवाद को लेकर उन्होंने जमकर विपक्ष पर निशाना साधा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता 5 साल के लिए अपने प्रतिनिधि को चुनती है। हर 5 साल में सरकार जनता के पास जाकर अपनी उपलब्धि बताकर समर्थन मांगती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने, 15 अगस्त 2024 मे लाल किले से झंडा फहराने की जो बात कही है, उसका अर्थ है कि वह प्रधानमंत्री बनेंगे। जनता उनको ही चुनेगी, उनकी पार्टी भी उन्हें नेता चुनेगी। यह उनका आत्मविश्वास है या लोकतांत्रिक व्यवस्था को नकारने जैसा है।इसको लेकर विपक्ष के हमले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तेज हो गए हैं।

पहली बार किसी प्रधानमंत्री ने चुनावी मंच की तरह लाल किले की प्राचीर से चुनाव का शंखनाद कर अगला प्रधानमंत्री होने का दावा किया है। जिसके कारण वह एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विपक्ष के निशाने में आ गए हैं।

सैर कर दुनिया की

सैर के इस रस को समझते हुए ही इस्माइल मेरठी ने कहा सैर कर दुनिया की गाफिल जिंदगानी फिर कहां जिंदगी गर कुछ रही तो नौजवानी फिर कहां और बाद में महापंडित बने राहुल सांकृत्यायन इससे ऐसे प्रभावित हुए कि घर-बार सब छोड़ कर दुनिया घूमने ही निकल पड़े। फिर घूमने पर लिखना शुरू किया तो पूरा घुमक्कड़ शास्त्र ही लिख डाला। क्यों घूमें, कब घूमें, कैसे घूमें, आदि-आदि ऐसे बहुतेरे सवालों के सटीक जवाब राहुल ने घूमते-घूमते ही दिए हैं। हालांकि तब से लेकर अब तक समय के साथ परिस्थितियां और परिवेश सभी बिलकुल बदल चुके हैं। पर्यटन की व्यवस्था प्रशिक्षित और कुशल हाथों में जा चुकी है। अब कहीं भी आने-जाने के लिए कोई खास मौसम नहीं रह गया है। कभी भी कहीं भी जाया जा सकता है। हर जगह ठहरने-खाने के लिए हर तरह की व्यवस्था है। आप खास तौर से पर्यटन के रोमांच पक्ष का मजा लेने के लिए ही निकलना चाहें तो अलग बात है, वरना कभी बहुत मुश्किल समझी जाने वाली जगहों के लिए भी अब आसानी से सवारियां उपलब्ध हो जाती हैं।

तो जाहिर है, कीमत कम या ज्यादा भले हो, पर सैर-सपाटा अब पहले की तरह मुश्किल बात नहीं रही। हमारी कुशलता इस बात में है कि समय के साथ मिली सुविधाओं का पूरा लाभ उठाएं। कम से कम जो कीमत हम दे रहे हैं, उसका अधिकतम रिटर्न तो हासिल कर ही लें। जरा सोचिए, पर्यटन का असली हासिल क्या हो सकता है, न्यूनतम या अधिकतम जो कुछ भी है, सैर-सपाटे का असली हासिल तो है पूर्वाग्रहों से मुक्ति। जैसा कि अमेरिकी व्यंग्यकार मार्क ट्वेन कहते हैं घूमना बहुत घातक है दुराग्रहों, कट्टरता और कूप मंडूकता के लिए।

जब निकलना हो सैर पर

इसलिए जब घूमने निकलना हो तो पूर्वाग्रहों से मुक्ति की तैयारी पहले कर लें। सबसे पहले तो यह जरूरत घुमक्कड़ी के संदर्भ में ही है। पर्यटन के कार्पोरेटीकरण के इस दौर में आम तौर पर होता यह है कि लोग अपने ढंग से अलग.अलग फ्लाइट और होटल बुकिंग करा कर घूमने के बजाय किसी एजेंसी का पैकेज ले लेते हैं। इन पैकेजों में घूमने के लिए शहर तो तय होते हैं, पर शहरों या उनके आसपास जगहें कौन-कौन सी दिखाई जाएंगी यह पहले से तय नहीं होता है। कई बार तय करके भी नहीं दिखाया जाता और कई बार ट्रैवल एजेंट किसी जगह की बहुत मशहूर चीजों को ही आपकी आइटेनरी में दर्ज कर देते हैं। इसलिए जब आप पैकेज फाइनल करने निकलें तो इन सब बातों का पूरा खयाल रखें।

किन शहरों में वे कौन-कौन सी दर्शनीय चीजें दिखाएंगे और वहां के लोकजीवन को देखने-समझने के लिए वह आपको कितना वक्त देंगे यह सब पहले से तय कर लें। क्योंकि दूर देश में जो चीजें छूट जाएंगी, बाद में मालूम होने पर उन्हें न देख पाने की कसक उम्र भर बनी रहेगी और अगर आप उन्हें फिर देखना ही चाहें तो इसके लिए आपको दुबारा पूरा किराया-भाड़ा खर्च करना पड़ेगा। यह बात भी याद रखें कि सभी क्षेत्रों की तरह इस क्षेत्र में भी मोलभाव की पूरी गुंजाइश होती है। कम से कम धन में ज्यादा से ज्यादा फायदा पाने के लिए मोलभाव करने में संकोच बिलकुल न करें।

ऐसे करें तैयारी

देश या विदेश, जहां कहीं भी पर्यटन के लिए निकलना हो, कम खर्च में ज्यादा फायदा हासिल करने का अच्छा तरीका यह है कि तैयारियों की शुरुआत आप जानकारी जुटाने से करें। मसलन यह कि जहां कहीं भी आप जा रहे हैं, उसके आसपास और कौन.कौन सी जगहें हैं, क्या उन्हें इस यात्रा पैकेज में शामिल किया जा सकता है, जिन शहरों की यात्रा पर आप जा रहे हैं, वहां देखने के लिए कौन-कौन सी मशहूर जगहें हैं।

खास तौर से किसी भी बड़े शहर के भीतर की दर्शनीय जगहों को कई हिस्सों में बांटकर देखें। दुनिया के सभी बड़े शहरों में देखने के लिए आधुनिक दौर की कई चीजें होती हैं। इससे वहां के व्यापारिक और तकनीकी विकास का पता चलता है। घुमक्कड़ी का दूसरा पक्ष रिक्रिएशन है, जिसे मौज-मस्ती या रोमांच भी कह सकते हैं।

समुद्रतट और उनके आस पास की घुमक्कड़ी इसका सबसे अच्छा उदाहरण है। सागर तट पर टहलना जहां मौज.मस्ती का माध्यम है, वहीं वॉटर राफ्टिंग, स्नोर्केलिंग या वॉटर स्कूटरिंग जैसी गतिविधियां रोमांच का। समुद्र तट पर बसे बडे, शहरों में ये दोनों चीजें एक साथ मिलती हैं। अधिकतर ट्रैवल एजेंसियों द्वारा कराया जाने वाला पर्यटन बस यहीं तक सीमित होता है। पर याद रखें, ऐसा कोई बड़ा शहर नहीं है जिसका समृद्ध अतीत न हो। यह भी कि प्राचीनकाल में स्थापत्य की सर्वोत्तम कृतियां धार्मिक विश्वासों-संस्थाओं की देन हैं। आज भी कई शहरों में मौजूद धार्मिक स्थलों का स्थापत्य सौंदर्य देखते ही बनता है। संग्रहालय अब विज्ञान से लेकर, प्रकृति, इतिहास और कला तक सभी विषयों के कई शहरों में है। इसलिए जब भी घूमने निकलें तो उस स्थान विशेष की सभी ऐतिहासिक-सांस्कृतिक धरोहरों के बारे में पहले से पूरी जानकारी कर उन्हें अपनी सूची में शामिल करना न भूलें।

रहे ध्यान इतना

जब आप पर्यटन के लिए निकलते हैं तो घूमना जितना महत्वपूर्ण है, व्यक्तिगत सुरक्षा व सेहत उससे कम अहम नहीं है। यह सच है कि अब हर मौसम में हर जगह घूमा जा सकता हैए पर मौसम के कुछ रंग या भौगोलिक हालात निजी तौर पर आपके लिए नुकसानदेह हो सकते हैं। इसलिए जब कहीं निकलना हो तो वहां की पारिस्थिति की के बारे में जान लें। यह सारी जानकारी आपको इंटरनेट से मिल सकती है। इसके अनुरूप अपने चिकित्सक की सलाह और जरूरी दवाइयां लेना कभी न भूलें। अगर आप देश के भीतर जा रहे हों तो वहां अपने पूर्व परिचितों और बाहर जा रहे हों तो भारतीय उच्चायोग के बारे में पूरी जानकारी जरूर कर लें। मुश्किल समय में यही आपके काम आते हैं। यह सही है कि बाहर जाते वक्त सभी जरूरी सामान आपके पास होने चाहिए, पर यह भी खयाल रखें कि यात्रा के दौरान सामान जितना ज्यादा होगाए झंझटें भी उतनी ही ज्यादा होंगी। इसलिए जो सामान ले जाने हैं पहले उनकी सूची बनाएं। फिर उन पर विचार करें। जो चीजें बहुत जरूरी हों, वही ले जाएं। अगर इन बातों का खयाल रखें तो सैर-सपाटा छुट्टियां बिताने और मौज-मस्ती का सबसे अच्छा जरिया साबित होगा। व्यक्तित्व विकास इसका बोनस तो है ही, भला उससे आपको वंचित कौन कर सकता है!

ध्यान दें इन बातों पर

वीजा की औपचारिकता

अगर आप विदेश यात्रा पर निकल रहे हैं तो जब यह निश्चित हो जाए कि आपको कहां-कहां जाना है, तुरंत वीजा के लिए कार्यवाही शुरू कर दें। मुख्य गंतव्य के बाद उसके आस पास के विकसित देशों के वीजा के लिए पहले आवेदन क्यों करें। क्योंकि कुछ देश इस प्रक्रिया में ज्यादा समय लगाते हैं, साथ ही उनकी कुछ शर्तें भी होती हैं। समय से पहले आवेदन करें तो यह काम आसान हो जाता है।

टीका लें

कुछ देशों की जलवायु के अनुरूप वहां खास किस्म की बीमारियों की आशंका बनी रहती है। बेहतर होगा कि उनके लिए पहले से ही टीकाकरण करवा कर चलें। मसलन पूरे पश्चिमी यूरोप में कहीं आने वाले पर्यटकों को हेपेटाइटिस ए और बीए ब्राजील आने वाले विदेशियों को येलो फीवर और मलेशिया जाने वालों को डेंगू फीवर का टीका लेकर आने की सलाह दी जाती है।

बच कर रहें

ध्यान रखें, आतंकवाद किसी एक देश या क्षेत्र की समस्या नहीं रह गया है। अब यह विश्वव्यापी है। इसके अलावा कई देशों में चोरी, झपटमारी व जेबकतरी जैसे अपराध खूब बढ़ रहे हैं। इंडोनेशिया, ब्राजील, मलेशिया, श्रीलंका जैसे देशों में तो यह सब होता ही है, इटली और नीदरलैंड्स जैसे विकसित देश भी माफियाओं और उचक्कों के प्रभाव से अछूते नहीं हैं। इसलिए कहीं भी हों, इनसे हमेशा सतर्क रहें। जो भी देखना हो दिन में घूम लें, अनजान जगह पर रात में बाहर निकलने से बचें।

अपनों से जुड़े रहें

आप जहां कहीं भी हों, वहां आपकी स्थिति और कुशलता की सूचना आपके परिजनों और शुभचिंतकों को निरंतर होनी चाहिए। इसके लिए बेहतर होगा कि आप उनसे लगातार जुडे रहें। संचार साधनों के इस युग में यह मुश्किल भी नहीं है। मोबाइल पर आईएसडी रोमिंग की जरूरत नहीं है। अधिकतर देशों में आपको शॉर्ट टर्म प्रीपेड सिम पासपोर्ट की जीरॉक्स कॉपी देकर मिल जाते हैं। इसका प्रयोग करें।

मर्यादाओं का सम्मान

जिस किसी भी देश में जाएं उसके कानून और शिष्टाचार का सम्मान करें। कुछ विश्वप्रसिद्ध शहरों के कुछ क्षेत्र प्रसिद्ध हैं। वहां बाहरी लोगों को जाने से मना किया जाता है। उनके बारे में किताबी जानकारी रखें। मौका मुआयना करने की कोशिश न करें। यह नुकसानदेह हो सकता है।

भय जंतुओं का

अगर आप कुछ खास जंतुओं से डरते हैं तो विदेश में ठहरने या घूमने के लिए स्थल चुनते हुए सावधानी बरतें। मसलन उष्णकटिबंधीय देशों में बड़े आकार की छिपकलियां खूब देखी जाती हैं। इसी तरह हिंदू संस्कृति से प्रभावित देशों में मंदिरों के आस पास बंदरों का होना आम बात है। मलेशिया के पेनांग शहर में चीनी समुदाय के एक मंदिर में तो सर्पों की बहुतायत है। अगर आप इन जंतुओं से डरते हैं तो उन्हें बाहर से ही देख कर आ जाएं। उन्हें नुकसान पहुंचाने की कोशिश न करें।

इंफोसिस और लिबर्टी ग्लोबल के बीच 1.6 अरब डॉलर का समझौता

मुंबई । वीडियो, ब्रॉडबैंड एवं संचार क्षेत्र की कंपनी लिबर्टी ग्लोबल और इंफोसिस ने 1.5 अरब यूरो (करीब 1.63 अरब डॉलर) के बहु-वर्षीय समझौते की घोषणा की जिसमें लिबर्टी ग्लोबल के डिजिटल मनोरंजन व संपर्क मंचों का विस्तार किया जाएगा। इंफोसिस शुरुआती पांच साल की अवधि में लिबर्टी ग्लोबल को अनुमानित रूप से 1.5 अरब यूरो की सेवाएं प्रदान करेगी और आठ साल पूरे होने तक यह सौदा कुल 2.3 अरब यूरो का होगा। दोनों पक्षों ने शुरुआत में पांच साल का समझौता किया है, जिसे आठ साल और उससे बाद भी बढ़ाने का विकल्प रखा गया है। लिबर्टी ग्लोबल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) माइक फ्राइस ने कहा कि इंफोसिस के साथ सहयोग को मजबूत करने और विस्तार करने से समाधानों को कई बाजारों तक पहुंचने तथा अधिक ग्राहकों को सकारात्मक अनुभव देने का मौका मिलेगा।

मिनी चार्ज्ड एडीशन भारत में केवल 20 गाडी ही बेचेगा

- शुरुआती कीमत 55 लाख रुपये

नई दिल्ली । मिनी इंडिया ने मिनी चार्ज्ड एडिशन की भारत में केवल 20 यूनिट गाड़ियां ही बेचेगा। मिनी चार्ज्ड एडीशन की शुरुआती कीमत 55 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। इस छोटी से लग्जरी इलेक्ट्रिक कार में केवल 3 दरवाजे दिए गए हैं, जिसका इंटीरियर बेहद ही कूल है। मिनी चार्ज्ड एडिशन भारत में पेश किया जाने वाला 3-डोर कूपर एसई का पहला सीमित संस्करण है।यह ऑल-इलेक्ट्रिक 3-डोर कूपर एसई का एक सीमित-संस्करण संस्करण है। सीबीयू रूट के जरिए केवल 20 यूनिट्स का इंपोर्ट किया जाएगा। ईवी में सफेद रंग की मल्टीटोन छत, एस्पेन व्हाइट बाहरी ट्रिम, दरवाज़े के हैंडल, लोगो और टेलगेट हैंडल के साथ चिली रेड एक्सटीरियर की फीचर दी गई है। कार में बोनट, साइड और बूट पर एनर्जेटिक येलो हाइलाइट्स के साथ फ्रोज़न रेड स्पोर्ट्स स्ट्राइप्स हैं। यह 17 इंच के मिनी इलेक्ट्रिक पावर स्पोक अलॉय व्हील पर चलता है। मिनी चार्ज्ड संस्करण 32.6 केडब्ल्यूएच बैटरी और एक सिंगल इलेक्ट्रिक मोटर द्वारा संचालित है, जो 181 बीएचपी और 270 एनएम की टॉर्क जेनरेट करती है। मिनी 0-100 किमी/घंटा की रफ्तार 7.3 सेकंड और 270 किमी तक की रेंज का दावा करती है।मिनी चार्ज्ड संस्करण लेदरेट कार्बन ब्लैक अपहोल्स्ट्री के साथ स्पोर्ट्स सीटों, मल्टीफ़ंक्शन स्टीयरिंग व्हील, 5-इंच एमआईडी और 8.8-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम के साथ आता है। कार में नेविगेशन, वायरलेस चार्जिंग, ब्लूटूथ के साथ-साथ ऐप्पल कारप्ले कनेक्टिविटी के साथ मिनी वायर्ड पैकेज भी मिलता है।

मीडिया हाऊस की पूरी हिस्सेदारी खरीदेगा अड़ानी समूह

मुंबई । अडानी समूह की कंपनी एएमजी मीडिया नेटवर्क्स के बोर्ड ने डिजिटल समाचार प्लेटफॉर्म क्विंटिलियन बिजनेस मीडिया में शेष 51 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए एक ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने को मंजूरी दी है। अडानी समूह के पास पहले से ही क्विंटिलियन बिजनेस मीडिया में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसके बाद अडानी समूह की झोली में अब कंपनी की समूची हिस्सेदारी आ गई है। बता दें कि मार्च, 2022 में अडानी एंटरप्राइजेज की सब्सिडयरी एएमजी मीडिया नेटवर्क्स ने क्विंटिलियन बिजनेस मीडिया में कुछ हिस्सेदारी हासिल करके मीडिया कारोबार में आने की घोषणा की थी इस साल मार्च में अडानी ग्रुप ने बताया था कि क्विंटिलियन बिजनेस मीडिया में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर ली है। शेयर खरीद समझौते की शर्तों के अनुसार 47.84 करोड़ रुपये में हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया गया था। इस तरह, अब मीडिया सेक्टर में अडानी ग्रुप का दबदबा बढ़ गया है। पिछले साल सितंबर महीने में समूह ने नई दिल्ली टेलीविजन लिमिटेड (एनडीटीवी) में बहुमत हिस्सेदारी पर नियंत्रण हासिल किया था।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 137 अंक , निफ़्टी 30 अंक ऊपर आया

मुम्बई । शेयर बाजार बुधवार को शुरुआती उतार-चढ़ाव के बाद अंत में बढ़त पर बंद हुआ। आज अंतरराष्ट्रीय बाजारों से मिले कमजोर संकेतों से बाजार गिरावट पर खुला पर इसके बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईटी सहित वाहन कंपनियों के शेयरों में आई तेजी से बाजार संभल गया। दिन भर के अंत में तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 137 अंक करीब 0.21 फीसदी बढ़कर 65,539.42 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 65,032.89 अंक तक नीचे आया था। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 18 के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये जबकि बचे हुए 12 के शेयर गिरावट पर बंद हुए। इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 30.45 अंक तकरीबन 0.16 फीसदी बढ़कर 19,465 अंक पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स की कंपनियों में अल्ट्रा सीमेंट का शेयर सबसे अधिक 2.44 फीसदी ऊपर आया। इसके साथ ही एनटीपीसी, टाटा मोटर्स, इन्फोसिस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, पावर ग्रिड, एल एंड टी, मारुति, विप्रो, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, रिलायंस, सन फार्मा सहित 18 कंपनी के शेयर उछले हैं। वहीं दूसरी ओर टाटा सटील के शेयर में सबसे अधिक 1.90 फीसदी की गिरावट आई। इसके अलावा भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक के शेयर भी नीचे आये हैं। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने अगस्त के पहले 15 दिनों में 737 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। ये फरवरी के अंत के बाद से सबसे कम निवेश है। वहीं देश में खुदरा मुद्रास्फीति जुलाई में 15 महीने के उच्चतम स्तर पर रही थी। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला। बाजार में ये गिरावट विदेशी बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से आई है। इसी के साथ ही तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 288.78अंक यानी 0.44 फीसदी की गिरावट के साथ 65,113.14 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 98.05 अंक तकरीबन 0.45 फीसदी नीचे आकर 19,346.30 पर कारोबार कर रहा था। सुबह प्री-ओपनिंग में बाजार में गिरावट दर्ज की गयी। सुबह गिफ्ट निफ्टी 100 अंक टूटकर 19,382 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। एक रिपोर्ट के अनुसार इस आशंका से कि फिच रेटिंग्स जेपी मॉर्गन चेज़ सहित दर्जनों अमेरिकी बैंकों को डाउनग्रेड कर सकती है।

दूरसंचार सेवा उद्योग की राजस्व वृद्धि में होगी कमी

मुंबई । दूरसंचार सेवा उद्योग की राजस्व वृद्धि चालू वित्त वर्ष (2023-24) में कम यानी सात से नौ प्रतिशत रहने की उम्मीद है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने इसका अनुमान लगाया है। इक्रा ने कहा कि निकट भविष्य में शुल्क दरों में वृद्धि की संभावना नहीं है, इससे दूरसंचार कंपनियों की प्रति ग्राहक औसत कमाई (एआरपीयू) स्थिर रहेगी। इसके साथ ही इक्रा ने कहा कि 5जी नेटवर्क लगाने के लिए दूरसंचार कंपनियों को बड़ी मात्रा में फाइबर लगाना होगा। इससे मध्यम अवधि में दूरसंचार कंपनियों का खर्च बढ़ेगा। इक्रा ने कहा कि इन वजहों से दूरसंचार कंपनियों का कर्ज मार्च, 2024 में ऊंचे स्तर 6.1 से 6.2 लाख करोड़ बीच रहेगा। 31 मार्च, 2023 को यह 6.3 लाख करोड़ रुपये था।

निकोला के ट्रक में आग लगने की आशंका, 209 वाहन बुलाए वापस

सैन फ्रांसिस्को । ट्रकिंग कंपनी निकोला मोटर्स ने आग लगने की आशंका के चलते अपने 209 वाहनों को ग्राहकों से वापस बुला लिया है। कंपनी ने अपने मुख्यालय में ट्रक में आग लगने का संभावित कारण एक बैटरी पैक के अंदर रिसाव होना बताया है। इसके बाद लगभग 209 बैटरी-इलेक्ट्रिक वाहनों (बीईवी) को वापस बुलाने की जानकारी दी है। ऑटोमेकर ने एक बयान में कहा, आंतरिक जांच में बैटरी पैक के भीतर सिंगर सप्लायर कंपोनेंट को कूलेंट रिसाव के संभावित स्रोत के रूप में दर्शाया गया है और आने वाले हफ्तों में एक क्षेत्रीय उपाय प्रदान करने के प्रयास चल रहे हैं। कंपनी ने कहा` कि ये कार्रवाइयां वर्तमान में प्रोडक्शन में चल रहे हाइड्रोजन फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक व्हीकल (एफसीईवी) को प्रभावित नहीं करती हैं क्योंकि ट्रक के बैटरी पैक का डिजाइन अलग है। निकोला ने सभी कस्टमर्स और डीलर्स को वास्तविक समय में वाहन की मॉनिटरिंग और सेफ्टी सिस्टम के ऑपरेशन को सक्षम करने के लिए मेन बैटरी डिस्कनेक्ट (एमबीडी) स्विच को हर समय ऑन पॉजिशन में रखने के लिए प्रोत्साहित किया। इसने उन्हें ओवर-द-एयर अपडेट और फ्लीट कमांड, निकोला के ट्रक मॉनिटरिंग सिस्टम के साथ बेहतर कनेक्टिविटी की अनुमति देने के लिए ट्रकों को बाहर पार्क करने पर विचार करने की भी सलाह दी। इस संबन्ध में निकोला के सीईओ स्टीव गिर्स्की ने कहा कि निकोला में हम सुरक्षा को बहुत गंभीरता से लेते हैं। हमने शुरू से ही कहा था कि जैसे ही हमारी जांच पूरी हो जाएगी हम एक अपडेट जारी करेंगे, और जैसे-जैसे हमें और जानकारी मिलेगी हम अपनी पारदर्शिता जारी रखेंगे। 23 जून को कंपनी के शुरुआती बयान में घटना के संभावित कारण को गलत बताया गया था, जो वीडियो फुटेज पर आधारित था, जिसमें प्रभावित ट्रकों के बगल में एक वाहन खड़ा था और एक ब्राइट फ्लैश और आग लगने के बाद तेजी से दूर चला गया।

-बाइक में इंडियन स्पेक मॉडल के इंजन का इस्तेमाल

जापान मे सुजुकी वी- स्ट्रॉम् एसएक्स250 बाइक लॉन्च

नई दिल्ली ।

हाल ही में सुजुकी मोटरसाइकिल ने अपने घरेलू बाजार जापान में मेड-इन-इंडिया सुजुकी वी- स्ट्रॉम् एसएक्स250 बाइक को लॉन्च किया है। जापान में सुजुकी वी- स्ट्रॉम् एसएक्स 250 को 5,69,800 येन (तकरीबन 3.26 लाख रुपये) की कीमत पर लॉन्च किया गया है। कंपनी ने इस बाइक में इंडियन स्पेक मॉडल के इंजन का इस्तेमाल कर रही है और इसमें तकनीकी रूप से कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह बाइक 249 सीसी सिंगल सिलेंडर ऑयल कूल्ड इंजन से लैस है जो 25 बीएचपी की पॉवर और 22 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इंजन को 6 स्पीड गियरबॉक्स से जोड़ा गया है।सुजुकी की इस बाइक में सामने 19-इंच और पीछे 17-इंच के कास्ट एल्युमीनियम अलॉय व्हील्स लगाए गए हैं। बाइक में सामने टेलीस्कोपिक फोर्क और पीछे मोनोशॉक सस्पेंशन लगाया गया है। यह बाइक डुअल डिस्क ब्रेक के साथ डुअल चैनल एबीएस से भी लैस है। बाइक को हर कंडीशन में सड़क पर बेहतर पकड़ देने के लिए डुअल पर्पस टायर लगाए गए हैं। यह बाइक फुल डिजिटल एलसीडी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और यूएसबी चार्जिंग जैसे फीचर्स के साथ आती है। इसका कर्ब वजन 164 किलोग्राम है जो कि इंडियन मॉडल से 3 किलोग्राम हल्की है।जापान आधारित सुजुकी वी-स्ट्रॉम् एसएक्स 250 को तीन रंगों में पेश किया गया है। कंपनी ने ऑफ रोडिंग के उत्साही लोगों के लिए बाइक के एक्सेसरीज पैकेज को भी लॉन्च किया है जिसकी मदद से इस बाइक को काफी उपयोगी बनाया जा सकता है। इसमें फ्यूल टैंक प्रोटेक्टर, इंजन गार्ड, हीटेड ग्रिप्स, फ्यूल कैरियर जैसे एक्सेसरीज शामिल हैं।

सुजुकी वी- स्ट्रॉम् एसएक्स 250 के अलावा बाइक निर्माता भारत से जिक्सर 250, अवनीस, बर्गमैन स्ट्रीट 125 और अन्य मॉडलों को जापान भेजती है। मालूम हो कि मेड-इन-इंडिया बाइक्स का लोहा पूरी दुनिया मानती है। भारत की बाइक कंपनियां दुनिया के कई देशों में अपने वाहन एक्सपोर्ट कर रही हैं। वहीं कई देशों के बाजार में भारत में बनी बाइक्स बिक्री में नंबर-1 हैं और खूब पसंद की जा रही हैं। अब इस कड़ी में सुजुकी मोटरसाइकिल का भी नाम जुड़ गया है।

यात्री वाहन की कुल बिक्री 40 लाख इकाई रहने की उम्मीद

-मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने कहा

नई दिल्ली ।

ऑटोमाबाइल सेक्टर की कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन व बिक्री) शशांक श्रीवास्तव ने बताया कि आमतौर पर त्योहारों के दौरान बिक्री बढ़ जाती है, जो पूरे वर्ष होने वाली बिक्री का करीब 22-26 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, ''इस वित्तीय वर्ष में यात्री वाहन की कुल बिक्री 40 लाख इकाइयों के दायरे में रहने की उम्मीद है, त्योहारों के दौरान करीब 10 लाख इकाइयों की बिक्री होने की उम्मीद है। श्रीवास्तव ने कहा कि इस साल उद्योग में मजबूत बिक्री देखी गई और आने वाले महीनों में भी इसके जारी रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, ''हमने इस वित्तीय वर्ष में बिक्री के मामले में अप्रैल, मई, जून और जुलाई में अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन देखा है। जुलाई में करीब 3.52 लाख इकाइयों की एक महीने में अब तक की दूसरी सबसे अधिक बिक्री देखी गई। अगस्त में भी इसके 3.5 लाख इकाइयों के आसपास रहने की उम्मीद है। वाहन ऋण की उच्च दर भी चिंता का विषय है क्योंकि करीब 83 प्रतिशत उपभोक्ता कार खरीदने के लिए कर्ज लेते हैं। मारुति सुजुकी इंडिया के बिक्री अनुमानों के बारे में पूछे जाने पर श्रीवास्तव ने कहा कि कंपनी को त्योहारों के दौरान बिक्री उनकी कुल वार्षिक बिक्री का करीब 22-25 प्रतिशत होती है। वाहन डीलर संघों के महासंघ (फाडा) ने त्योहारों के दौरान खुदरा बिक्री में वृद्धि होने की उम्मीद जताई है।

बता दें कि कंपनी को त्योहारों के दौरान इस साल घरेलू यात्री वाहन की बिक्री के 10 लाख इकाई का आंकड़ा पार करने की उम्मीद है। इस वर्ष 68 दिन के त्योहारों का मौसम 17 अगस्त से शुरू होकर 14 नवंबर तक चलेगा। हालांकि, इस अवधि में कुछ दिन खरीदारी के लिए शुभ नहीं माने जाते।

इंडिगो में अपनी हिस्सेदारी बेचने की तैयारी में गंगवाल फैमिली

मुंबई । निजी क्षेत्र की एयरलाइन इंडिगो के संस्थापकों में शामिल गंगवाल फैमिली ने अपनी हिस्सेदारी बेचने का फैसला किया है। यह विमानन कंपनी देश में सस्ती सेवाएं उपलब्ध कराती है। कंपनी में बड़ी हिस्सेदारी रखने वाली गंगवाल फैमिली ने 16 अगस्त को एक ब्लॉक डील के द्वारा अपने शेयर बेचने का फैसला किया है। भारतीय विमानन उद्योग में इंडिगो एयरलाइंस के दबदबे का अंदाजा इसी बात से लग सकता है कि अप्रैल, 2023 में घरेलू उड़ानों में कंपनी की भागेदारी 57 फीसदी से भी अधिक थी। साल 2006 में राकेश भाटिया और राहुल गंगवाल ने कंपनी की नींव रखी और उनकी मंशा आम आदमी को सस्ती हवाई सेवा उपलब्ध कराने की थी, जिसमें वे काफी हद तक कामयाब भी हुए हैं। इंडिगो एयरलाइंस इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड की एक अनुषंगी कंपनी है। रिपोर्ट के अनुसार, गंगवाल फैमिली ने अपनी हिस्सेदारी 3,730 करोड़ रुपये बेचने का फैसला किया है। ब्लॉक डील के लिए इन शेयरों का आधार मूल्य 2,400 करोड़ रुपये रखा गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गंगवाल फैमिली इस ब्लॉक डील के जरिये 1.56 करोड़ शेयर बेचने की तैयारी कर रही है। गंगवाल फैमिली ने अपने शेयरों की बिक्री करने के लिए उसकी कीमत भी 5.8 कम कर दी है। यह कीमत सोमवार को एक्सचेंज पर बंद हुई शेयरों की प्राइज के आधार पर रखी गई है। यह डील ग्लोबल लेंडर्स मॉर्गन स्टेनली, जेपी मॉर्गन और गोल्डमैन सॉक्स की अगुवाई में कराई जा रही है।

महिंद्रा ने स्कॉर्पियो एन पिकअप वर्जन का डेब्यू किया

मुंबई ।

भारत की ऑटोमोबाइल कंपनी महिंद्रा ने स्कॉर्पियो एन पिकअप वर्जन का डेब्यू किया है। पिकअप में सनरुफ सहित कई खूबियां दी गईं, जो उसके चाहने वालों को अपनी ओर आकर्षित करेंगी। महिंद्रा का यह पिकअप ट्रक स्कॉर्पियो एन प्लेटफॉर्म पर बेस्ड है। स्कॉर्पियो एन एसयूवी की तुलना में इसके पिकअप वर्जन का व्हीलबेस ज्यादा होगा। इसमें एक बड़े लोड बेड को भी इंटीग्रेट किया गया है। इसमें स्कॉर्पियो-एन की तरह सनरूफ भी दिया गया है। सेफ्टी के लिए महिंद्रा ने 6 एयरबैग, रिवर्स कैमरा, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम, क्रूज कंट्रोल और रियर डिस्क ब्रेक जैसे कई फीचर्स मिलेगा। बड़े मोटे ऑफ-रोड टायर, बेड के लिए एक फुटस्टेप, मेटल में तैयार अगली ग्रिल डिज़ाइन के साथ महिंद्रा ट्विन पीक्स लोगो और खड़ी टेल लैंप शामिल हैं। इस पिकअप ट्रक के कांसेप्ट में जो फ्रंट साइड है, वह स्कॉर्पियो एन की तरह मिलती है। यानी कि उसकी हेड लाइट बोनट, फेंडर और फ्रंट डोर सब कुछ स्कॉर्पियो एन एसयूवी की तरह ही दिख रहा है और इस पिकअप ट्रक का जो बंपर है, वह नया है और उसमें बड़ी बैश प्लेट दी गई है और टो हुक भी लोकेटेड है लोअर एंड पर। इसके इंटीरियर में 8-इंच की टचस्क्रीन, 3डी साउंड स्टेजिंग के साथ सोनी 12 स्पीकर ऑडियो सिस्टम, डुअल जोन क्लाइमेट कंट्रोल, 70+ कनेक्टेड कार फीचर्स, वायरलेस चार्जर, इलेक्ट्रिक सनरूफ, सेमी डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और इलेक्ट्रिकली एडजस्टेबल ड्राइवर सीट मिली है। हुड के तहत, महिंद्रा ग्लोबल पिक अप 2.2-लीटर एमहॉक टर्बो डीजल इंजन द्वारा संचालित होगा, जो 172 एचपी की अधिकतम शक्ति और 400 एनएम का अधिकतम टॉर्क पैदा करता है। इस इंजन को छह-स्पीड मैनुअल और छह-स्पीड टॉर्क कनवर्टर ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ऑटोमोटिव सेक्टर के अध्यक्ष विजय नाकरा ने कहा, नया ग्लोबल पिकअप महिंद्रा की गो-ग्लोबल रणनीति में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह मजबूत तैयार की गई है, साथ ही सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अत्याधुनिक तकनीक के साथ पूरा किया गया है। ग्लोबल पिक अप न केवल मौजूदा बाजारों में हमारी उपस्थिति को मजबूत करने के लिए बल्कि मार्ग प्रशस्त करने के लिए भी तैयार है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया बदलाव

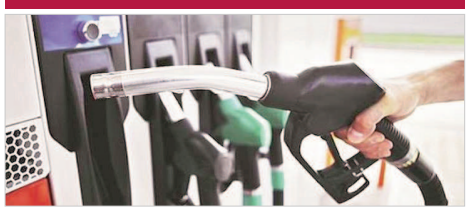

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में बुधवार को कच्चे तेल (क्रूड) की कीमतें गिरी हैं। डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.04 डॉलर नीचे आकर 80.95 डॉलर प्रति बैरल पर जबकि, ब्रेंट क्रूड 0.01 डॉलर टूटकर 84.88 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इससे भारतीय बाजार में भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर प्रभाव पड़ा है। इससे कुछ जगहों पर तेल की कीमतें बढ़ी हैं जबकि कुछ में घटी हैं। गुजरात में पेट्रोल और डीजल की कीमतें गिरी हैं। ये 70 पैसे सस्ता होकर बिक रहा है। वहीं महाराष्ट्र में पेट्रोल 49 और डीजल 47 पैसे सस्ता हुआ है। झारखंड में भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी है। वहीं दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में पेट्रोल 25 और डीजल 24 पैसे महंगा हुआ है. राजस्थान में पेट्रोल 24 पैसे और डीजल 22 पैसे ऊपर आया है। बिहार में भी पेट्रोल 33 पैसे और डीजल 31 पैसे बढ़ा है।

उत्तर प्रदेश के नोएडा में पेट्रोल 96.92 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर अपर आ गया है। राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। पटना में कीमतें बढ़ने से पेट्रोल 108.12 रुपये और डीजल 94.86 रुपये प्रति लीटर पर है। इसके अलावा पोर्ट ब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

चारों महानगरों की बात करें तो दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर जबकि चेन्नई में पेट्रोल 102.74 रुपये और डीजल 94.33 रुपये प्रति लीटर पर है।

तेजस नेटवर्क को टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज से मिला बड़ा ऑर्डर

मुंबई ।

टाटा समूह का हिस्सा तेजस नेटवर्क, जो वायरलेस नेटवर्किंग उत्पादों का डिजाइन और निर्माण करता हैं, को टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज से 4जी और 5जी उपकरण के लिए 7,492 करोड़ रुपए का खरीद ऑर्डर मिला है। दरअसल तेजस नेटवर्क इंटरनेट सर्विस को ऑप्टिल फाइबर से घर घर पहुंचाने और ऑफिस में स्पीड फास्ट करने का काम कंपनी करती है। तेजस कंपनी ने बताया कि कंपनी ने बीएसएनएल के अखिल भारतीय 4जी/5जी नेटवर्क के लिए अपने रेडियो एक्सेस नेटवर्क (आरएएन) उपकरण की आपूर्ति, सपोर्ट और मेंटिनेंस सर्विसेज के लिए टीसीएस के साथ एक मास्टर कॉन्ट्रैक्ट किया है। टीसीएस से 7,492 करोड़ रुपए के खरीद ऑर्डर के हिस्से के रूप में, तेजस 100,000 साइटों के लिए उपकरणों की आपूर्ति करेगा। तेजस नेटवर्क के सीईओ और प्रबंध निदेशक आनंद अत्रेय ने कहा, 'बेसबैंड और रेडियो उत्पादों का हमारा अत्याधुनिक पोर्टफोलियो बीएसएनएल को एक स्केलेबल और लागत प्रभावी नेटवर्क शुरू करने में सक्षम करेगा जो विश्व स्तरीय प्रदर्शन और गुणवत्ता मानकों को पूरा करता है। यह वायरलेस और वायरलाइन पेशकशों के एंड-टू-एंड सूट के साथ भारत की पहली वैश्विक स्तर की दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पाद कंपनी बनाने के हमारे मिशन को भी आगे बढ़ाता है।'

तेजस ने कहा कि इस सौदे को मार्च 2023 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए अपने शेयरधारकों से आवश्यक मंजूरी मिल गई है। तेजस नेटवर्क 75 से अधिक देशों में दूरसंचार सेवा प्रदाताओं, इंटरनेट सेवा प्रदाताओं, उपयोगिताओं, रक्षा और सरकारी संस्थाओं के लिए वायरलेस और वायरलेस नेटवर्किंग उत्पाद बनाती है। कारोबारी साल 2022-23 की अप्रैल-जून तिमाही के मुकाबले कारोबारी साल 2023-24 की अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का घाटा 26.3 करोड़ रुपए रहा है। एक साल पहले ये घाटा 11.5 करोड़ रुपए था। इस दौरान कंपनी की आमदनी भी गिरी है। ये 37 फीसदी गिरकर 188 करोड़ रुपए रही है। एक साल पहले ये 299 करोड़ रुपए थी।

इंस्टाग्राम थ्रेड्स के डेली एक्टिव यूजर्स में 79 प्रतिशत की गिरावट आई

नई दिल्ली ।

इंस्टाग्राम के थ्रेड्स ऐप ने एंड्रॉइड पर अपने डेली एक्टिव यूजर्स में से 79 प्रतिशत यूजर्स की कमी दर्ज की है। ताजा आंकड़ों पर ध्यान दें तो मेटा संस्थापक मार्क जकरबर्ग के साथ प्रतिस्पर्धा के बीच एलन मस्क के स्वामित्व वाले एक्स का इस्तेमाल बढ़ रहा है। ताजा सर्वे के मुतो बिक थ्रेड्स एंड्रॉइड ऐप 7 जुलाई को दुनिया भर में 49.3 मिलियन डेली एक्टिव यूजर्स तक पहुंच गया था। हालांकि, 7 अगस्त को ऐप के डेली एक्टिव यूजर्स की संख्या घटकर 1013 मिलियन रह गई। थ्रेड्स ऐप के साथ डेली एक्टिव यूजर्स द्वारा बिताया गया औसत समय दुनिया भर में लगभग 14 मिनट से शुरू हुआ, लेकिन 7 जुलाई को अमेरिका में लगभग 21 मिनट से काफी अधिक था। 7 अगस्त तक यह घटकर मात्र 3 मिनट रह गया। आंकड़ों से पता चला कि इसकी तुलना के लिए, एक्स (पूर्व में ट्विटर) के अकेले एंड्रॉइड पर 100 मिलियन से ज्यादा डेली एक्टिव यूजर्स हैं, और वे लगातार इस पर हर दिन लगभग 25 मिनट बिताते हैं। गौरतलब है कि जुलाई की शुरुआत में थ्रेड्स की एक बड़ी लॉन्चिंग हुई थी, जिसे नए टेक्स्ट-बेस्ड सोशल ऐप पर इंस्टाग्राम यूजर्स के लगभग तुरंत शामिल होने से बढ़ावा मिला था। हालों कि पहले कुछ दिनों में ऐप के एक्टिव यूजर्स संख्या में उछाल आया जब नए यूजर्स ऐप की जांच करने और यह देखने में बिजी थे कि इस पर और कौन है तो यह तेजी से कम हो गई। अमेरिका में, थ्रेड्स का चरम उपयोग 7 जुलाई को 2.3 मिलियन डेली एक्टिव यूजर्स था, जबकि 7 अगस्त तक लगभग 576,000 था। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि अमेरिका में थ्रेड्स ने लॉन्च के समय एक्स (पूर्व में ट्विटर) जितना ही एक्टिव यूजर टाइम कैप्चर किया था, लेकिन तब से यह बहुत पीछे रह गया है।

वायकॉम 18 को मिले विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के डिजिटल अधिकार

मुंबई । वायकॉम 18 को बुडापेस्ट में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के डिजिटल अधिकार मिल गये हैं। अब वायकॉम 18 जियोसिनेमा पर विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के मुकाबलों की लाइव-स्ट्रीमिंग करेगी। डिजिटल अधिकार मिलने से उत्साहत वायकॉम के रणनीति, साझेदारी और अधिग्रहण के प्रमुख हर्ष श्रीवास्तव ने कहा, ये अधिकार मिलना हमारे दर्शकों को उनके पसंदीदा मंच पर बिना किसी बाधा के शीर्ष स्तरीय वैश्विक खेल संपत्तियों की पेशकश करने की हमारी प्रतिबद्धता के कारण संभव हुआ है। हम प्रशंसकों को एक सम्मोहक प्रस्तुति की पेशकश करने के लिए उत्साहित हैं जिसमें लाइव एक्शन के नाटक और रोमांच के साथ-साथ चैंपियनशिप के लिए भारत के सर्वश्रेष्ठ एथलीटों की यात्रा की विशेष झलक शामिल होगी। इसके साथ ही जियोसिनेमा 360-डिग्री कवरेज पेश करेगा जिसमें विशिष्ट भारतीय एथलीटों पर पूर्वावलोकन, विशेष साक्षात्कार, विश्लेषण और विशेषज्ञ राय शामिल होगी। विश्व एथलेटिक्स 19 से 27 अगस्त तक खेली जाएगी। इसके लिए भारतीय दल में 28 एथलीटों को शामिल किया गया है। इसमें ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा से भारत को सबसे ज्यादा उम्मीदें रहेंगी। इसके अलावा लंबी कूद के खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर पर भी नजरें रहेंगी।

पहली बार किसी गेंदबाज की कप्तानी में टी20 सीरीज में उतरेगी भारतीय टीम

बुमराह के पास सहवाग को पीछे छोड़ने का मौका

मुम्बई ।

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। ये सीरीज 18 अगस्त से शुरू हो रही है। बुमराह लंबे समय के बाद इस सीरीज से वापसी करेंगे। इससे उनकी फिटनेस का भी पता चल जाएगा। पहली बार किसी विशेषज्ञ गेंदबाज की कप्तानी में भारतीय टी20 टीम उतर रही है। बुमराह यदि सीरीज में 2 भी मैच जीत लेते हैं, तो पूर्व कप्तान वीरेंद्र सहवाग के एक मैच जीतने के रिकार्ड को पीछे छोड़ देंगे। टीम इंडिया की ओर से अब तक 10 खिलाड़ियों ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में कप्तानी की है। इस प्रकार बुमराह कप्तानी करने वाले 11वें खिलाड़ी होंगे। पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने कप्तान के तौर पर सबसे अधिक 41 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले जीते हैं। वहीं रोहित शर्मा की कप्तानी में 39, विराट कोहली की कप्तानी में 30 और हार्दिक पंड्या की कप्तानी में 10 टी20 मैच जीते है. अन्य कोई भारतीय कप्तान 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं जीत पाया है। भारत और आयरलैंड के बीच अब तक 5 टी20 के मुकाबले खेले गए हैं और सभी मैच भारतीय टीम जीतने में सफल रही है। इस बार भी भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। टीम इंडिया की ओर से सुरेश रैना ने कप्तान के तौर पर 3, ऋषभ पंत ने 2 जबकि शिखर धवन, अजिंक्य रहाणे, केएल राहुल और सहवाग ने एक-एक टी20 मैच जीते हैं। दुनिया में कप्तान के तौर पर सबसे अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीतने वाले खिलाड़ियों की बात करें, तो पाकिस्तान के बाबर आजम संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। बाबर के अलावा इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ऑयन मॉर्गन और अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान असगर अफगान ने 42-42 टी20 मुकाबले जीते हैं। आजम ने अब तक पाकिस्तान की ओर से 71 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में कप्तानी की है। 42 में जीत मिली है जबकि 23 में उन्हें हार मिली है। 6 मैच का परिणाम नहीं आया है। आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में सभी की नजरें रिंकू सिंह पर रहेंगी। रिंकू ने आईपीएल 2023 में आक्रामक बल्लेबाजी की थी। इसके अलावा जितेश शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे और यशस्वी जायसवाल भी इस सीरीज में धमाम मचा सकते हैं। भारत और आयरलैंड के बीच 3 टी20 मैच 18, 20 और 23 अगस्त को खेले जाएंगे।

आयरलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है -

जसप्रीत बुमराह (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़ (उप-कप्तान), यशस्वी जायसवाल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, संजू सैमसन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, रवि बिश्नोई, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, मुकेश कुमार और आवेश खान।

कार हादसे के बाद पहली बार बल्लेबाजी करते दिखे ऋषभ, दर्शकों ने बढ़ाया हौंसला

बेंगलुरु ।

टीम इंडिया के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत गत वर्ष हुए कार हादसे के बाद पहली बार बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरे। ऋषभ अभी राष्ट्रीय खेल अकादमी (एनसीए) में रिहैब के दौर से गुजर रहे हैं। पिछले कुछ समय में उनकी कई तस्वीरें सोशल मीडिया में आई है जिसमें वे कभी जिम में अभ्यास करते या सीढ़ियां चढ़ते हुए नजर आए हैं। अब उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वह पहली बार मैदान में बल्लेबाजी करते दिखे। एक प्रशंसक ने ऋषभ का वीडियो शेयर किया है जिसमें वह पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरते हैं। मैदान में उतरने से पहले वह मैदान को चूमते हैं और इसके बाद बिना किसी सहारे के स्वयं चलकर क्रीज पर जाते हैं और बल्लेबाजी करते हुए कुछ शॉट खेलते हैं। इस दौरान हालांकि वह कुछ पूरी तरह से सहज नहीं दिखे। इस दौरान मैदान में आये दर्शकों ने उनका उत्साह बढ़ाया।

ये भी माना जा रहा है कि विश्व कप को देखते हुए ही इस आक्रामक बल्लेबाज को तैयार करने का प्रयास चल रहा है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का पूरा प्रयास है कि ये विकेटकीपर-बल्लेबाज तब तक अपनी फिटनेस हासिल कर ले। हालांकि अभी तक इस बारे में आधिकारिक रुप से कुछ नहीं कहा गया है।

पीसीबी ने बिना अनुमति अमेरिकी लीग में खेलने वाले खिलाड़ियों को नोटिस दिया

लाहौर ।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने 15 से अधिक खिलाड़ियों को अमेरिकी टी20 लीग में खेलने पर नोटिस दिया है। एशिया कप से टीम पहले पाक क्रिकेट में उठे इस विवाद से टीम के प्रदर्शन पर प्रभाव पड़ने की भी आशंका है। 30 अगस्त से शुरू हो रहे एशिया कप के लिए टीम पहले ही घोषित कर दी गयी थी। पीसीबी ने खिलाड़ियों को ये नोटिस बिना एनओसी के अमेरिकी लीग में खेलने के कारण दिया है। वहीं कुछ खिलाड़ियों ने अपने जवाब में कहा है कि उन्हें अमेरिका की नागरिकता मिल गई है। ऐसे में उन्हें एनओसी लेने की जरूरत ही नहीं है। इस मामले में पीसीबी के नागरिकता वाले दस्तावेज मांगे जाने पर इन खिलाड़ियों ने कोई जवाब नहीं दिया। हाल ही में हुए ह्यूस्टन ओपन टूर्नामेंट में सोहेब मकसूद, अरशद इकबाल, आरिश अली, हुसैन तलत, अली शफीक, इमाद बट, उस्मान शेनवारी, उम्मेद आसिफ, जीशान अशरफ, सैफ बदर, मुख्तार अहमद, और नौमान अनवर ने पीसीबी से एनओसी नहीं ली थी। ठीक इसी प्रकार माइनर लीग में उतरने के लिए सलमान अरशद, मुसादिक अहमद, इमरान खान जूनियर, अली नासिर और हुसैन तलत ने भी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से अनुमति नहीं ली. दूसरी ओर फवाद आलम, हसन खान, आसिफ महमूद, मीर हमजा, शरजील खान और अनवर अली ने पीसीबी से एनओसी ली थी। पीसीबी ने विदेशी लीग में भाग लेने से पहले एनओसी हासिल करने के लिए 10,000 डॉलर करीब लगभग 8.5 लाख रुपये की शर्त रखी थी। यह राशि खिलाड़ी को नहीं बल्कि उसकी टीम को देनी होती है।

एशियाई हॉकी विश्व कप क्वालीफायर में मनदीप ओर नवजोत होंगे पुरूष और महिला टीमों के कप्तान

नई दिल्ली ।

हॉकी इंडिया ने ओमान में होने वाले एशियाई हॉकी विश्व कप क्वालीफायर के लिए भारतीय पुरुष और महिला टीम की घोषणा कर दी है। इसमें डिफेंडर मनदीप मोर को पुरुष जबकि मिडफील्डर नवजोत कौर को महिला टीम का कप्तान बनाया गया है। पुरुष हॉकी टूर्नामेंट 29 अगस्त से दो सितंबर तक जबकि महिला हॉकी टूर्नामेंट 25 से 28 अगस्त तक खेला जाएगा। मिडफील्डर मोहम्मद राहील मोदीन टीम के उपकप्तान होंगे। पुरूष टीम में गोलकीपर सूरज करकेरा, जुगराज सिंह, दिप्सन टिर्की, मनजीत और मोर डिफेंस में होंगे। मिडफील्ड की जिम्मेदारी मनिंदर सिंह और मोदीन के हाथ में होगी जबकि पवन राजभर और गुरजोत सिंह फॉरवर्ड पंक्ति में रहेंगे। महिला टीम की उपकप्तान ज्योति बनाय गयी हैं, टीम में गोलकीपर बंसारी सोलंकी है जबकि डिफेंस में अक्षता ढेकाले, महिमा चौधरी और सोनिया देवी शामिल हैं। कप्तान नवजोत और अजमिना कुजूर मिडफील्ड की जिम्मेदारी संभालेंगी जबकि मरियाना कुजूर, ज्योति और डिपि मोनिका टोप्पो स्ट्राइकर रहेंगी।

भारतीय पुरूष टीम -

- **गोलकीपर** - सूरज करकेरा
- **डिफेंडर** - जुगराज सिंह, दिप्सन टिर्की, मनजीत, मनदीप मोर (कप्तान)
- **मिडफील्डर** - मनिंदर सिंह, मोहम्मद राहिल, मोदीन
- **फॉरवर्ड**-पवन राजभर, गुरजोत सिंह
- **स्टैंडबाय** - प्रशांत कुमार चौहान, सुखविंदर, आदित्य सिंह, अरूण साहनी

भारतीय महिला टीम -

- **गोलकीपर** - बंसारी सोलंकी
- **डिफेंडर** - अक्षता ढेकाले, महिला चौधरी, सोनिया देवी
- **मिडफील्डर** - नवजोत कौर (कप्तान), अजमिना कुजूर
- **फॉरवर्ड** - मरियाना कुजूर, ज्योति, डिपि मोनिका टोप्पो
- **स्टैंडबाय** - के रम्या, निशि यादव, प्रियंका यादव, रितान्या साहू।

संक्षिप्त समाचार

सिनसिनाटी ओपन : अल्काराज ने थॉम्पसन को हराया

मेसन । स्पेन के टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज ने सिनसिनाटी ओपन टेनिस के दूसरे दौर में ऑस्ट्रेलिया के जॉर्डन थॉम्पसन को हराकर इस साल का अपना 50वां मुकाबला जीता है। अल्काराज़ ने वर्षाबाधित मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी को 7-5, 4-6, 6-3 से हराया। अल्काराज़ इस मैच में उम्मीद के अनुसार नहीं खेल पाये। उनका विरोधी थॉम्पसन5-2 की बढ़त बनाने के बाद भी पहला सेट हार गए, उसने अल्काराज की गलतियों के के कारण दूसरा सेट 6-4 से जीता। अल्काराज़ ने अंत में तीसरा सेट शुरू ही अपनी लय हासिल की और आधे घंटे में सेट अपने नाम कर लिया। अल्काराज ने कहा, 'यह आसान मैच नहीं था पर अंत में मुझे लय मिल गयी। हम मैच खेलने के लिये पूरे दिन इंतजार कर रहे थे। कोर्ट पर कदम रखते ही बारिश के कारण परेशानी आई। आपको इस प्रकार की स्थिति में इन मैचों को जीतने का तरीका तलाशना होगा। अल्काराज़ को 50वीं जीत 12वें टूर्नामेंट में मिली है, जबकि पिछले साल उन्हें 50 जीत के लिए अपने 14वें टूर्नामेंट अमरीकी ओपन का इंतजार करना पड़ा था।

जोकोविच अपने जोड़ीदार के साथ युगल मुकाबले में हारे

मेसन । सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच और उनके जोड़ीदार निकोला काचिच की जोड़ी को अमेरिका में वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन टेनिस में हार का सामना करना पड़ा है। अमेरिका में साल 2021 के बाद पहली बार जोकोविच कोई मैच हारे हैं। जोकोविच और निकोला की जोड़ी को जैमी मूरे और माइकल वीनस ने 6-4, 6-2 से हराया। जोकोविच कोरोना टीकाकरण नहीं कराने के कारण अमेरिका में पिछले दो साल से नहीं खेल पाये थे। विम्बलडन फाइनल के बाद जोकोविच का यह पहला मुकाबला था। अब एकल मुकाबले में उनका सामना अलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना से होगा। एक अन्य मुकाबले में अल्काराज ने ऑस्ट्रेलियाई क्वालीफायर जोर्डन थाम्पयन को 7-5, 4-6, 6-3 से हराया। इसी के साथ ही वह इस सत्र में 50 जीत दर्ज करने वाले पहले एटीपी खिलाड़ी बने हैं। वहीं दूसरी ओर महिला वर्ग में पूर्व अमेरिकी ओपन चैम्पियन स्लोएने स्टीफेंस ने गत चैम्पियन कैरोलिन गार्सिया को 4-6, 6-4, 6-4 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनायी है।

एशिया कप के लिए जमकर पसीना बहा रहे विराट

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली आजकल एशिया कप की तैयारियों में लगे हुए हैं। एशिया कप इसी माह के अंत में शुरु होगा। विराट ने सोशल मीडिया पर स्वतंत्रता दिवस के दिन का एक वीडियो भी साझा किया है, इसमें वह जिम में अभ्यास करते दिख रहे हैं। एशिया कप इस बार एकदिवसीय प्रारुप में खेला जाएगा। ऐसे में इन टूर्नामेंट से टीम को अक्टूबर में होने वाले विश्वकप के लिए अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान के पास है पर भारतीय टीम के मैच श्रीलंका में खेले जाएंगे। इस पूर्व कप्तान ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर एक वीडियो भी साझा किया है। इसमें वह ट्रेडमील पर पसीने से लथपथ दौड़ते हुए नजर आ रहे हैं। उन्होंने साथ ही लिखा, 'छुट्टी है फिर भी भागना तो पड़ेगा।' उनके इस वीडियो को प्रशंसकों ने काफी पसंद किया है।

एशिया कप में भारतीय टीम अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलेगी। भारतीय टीम 2 सितंबर को पाकिस्तान से भिड़ेगी। इसमें भी भारतीय बल्लेबाजी विराट पर आधारित रहेगी। एशिया कप में भारत को पाकिस्तान और नेपाल के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। इसमें भारत और नेपाल की टीमों के बीच 4 सितंबर को मुकाबला होगा।

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज वहाब रियाज ने संन्यास लिया

लाहौर ।

पाकिस्तान के अनुभवी तेज गेंदबाज वहाब रियाज ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। वहाब ने संन्यास का ये फैसला विदेशी टी20 लीग टूर्नामेंटों पर ध्यान देने के लिए लिया है। 38 वर्षीय इस खिलाड़ी ने 27 टेस्ट मैचों, 91 एकदिवसीय और 36 टी20आई मैचों में पाक टीम की ओर से खेलते हुए कुल 237 विकेट लिए हैं। इस तेज गेंदबाज ने कहा, अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात रही है। साथ ही कहा, अब मैं फ्रेंचाइजी क्रिकेट में एक नए साहसिक कार्य को शुरू करने के लिए उत्साहित हूं, जहां मुझे दुनिया की कुछ सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हुए दर्शकों का मनोरंजन करने और प्रेरित करने में सफल रहने की उम्मीद है। इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने साल 2008 में जिम्बाब्वे के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने अपने पदार्पण मैच में ही 8 ओवरों में केवल 19 रन देकर 2 विकेट लिए थे। इसके दो साल बाद द ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया जहां इस तेज गेंदबाज ने पहली पारी में पांच और दूसरी पारी में एक विकेट लिया, वहाब लंबे समय से पाकिस्तान की टीम से बाहर हैं। इस क्रिकेटर ने अपना अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच 2020 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। उन्होंने पीएसएल सहित फ्रेंचाइजी टूर्नामेंटों में भी खेला है।

उभरती स्ट्राइकर्स को खेल के टिप्स दे रही रानी

भुवनेश्वर । भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान रानी रामपाल ने यहां युवा स्ट्राइकर्स को एक खास शिविर में टिप्स दिये। प्रतिष्ठित कलिंगा स्टेडियम में इस विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन राज्य के खेल और युवा सेवा विभाग द्वारा ओडिशा नेवल टाटा हॉकी हाई-परफॉर्मेंस सेंटर और हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा के संयुक्त प्रयास से किया गया है। 14 से 19 अगस्त तक आयोजित होने वाले इस शिविर में राज्य भर के युवा खिलाड़ियों के पास भारतीय महिला हॉकी टीम की अब तक की सबसे बेहतरीन स्ट्राइकर्स से सीखने का अवसर मिलेगा। कुल 25 खिलाड़ी इस स्ट्राइकर शिविर का हिस्सा हैं और इससे ओडिशा नेवल टाटा हॉकी हाई-परफॉर्मेंस सेंटर, स्पोर्ट्स हॉस्टल, पानपोष, एसएआई एसटीसी सुंदरगढ़ और एसएआई एनसीओई भोपाल के खिलाड़ियों को सीखने का अवसर मिलेगा। इस कैंप को लेकर रानी रामपाल ने कहा, यह कैंप एक अच्छी पहल है। यह मेरे लिए ओडिशा में इन खिलाड़ियों के साथ अपना ज्ञान, कौशल और अनुभव साझा करने का एक सुनहरा अवसर है। इस शिविर के दौरान मेरा मुख्य ध्यान खेल के तकनीकी, शारीरिक और मानसिक पहलुओं और गहन प्रशिक्षण सत्रों पर रहेगा। इस पूर्व कप्तान ने कहा, पिछले कुछ साल में कई पहल और विकास के साथ, ओडिशा विश्व के खेल मानचित्र पर छा गया है। यहां की सुविधाएं बेहद आधुनिक और विश्वस्तरीय हैं।

एशिया कप में खेलने वाले अधिकतर खिलाड़ी ही विश्वकप में खेलेंगे

मुम्बई ।

अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप की मेजबानी में होने वाले विश्वकप के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) टीम तैयार करने में लग गया है। एकदिवसीय विश्वकप में अब दो माह से भी कम समय बचा है। इसके लिए करीब 20 सदस्यों का दल तैयार किया जाएगा जिसमें दस खिलाड़ियों की जगह पहले ही पक्की है। एशिया कप के बाद टीम की तस्वीर और साफ हो जाएगी। एशिया कप एकदिवसीय प्रारुप में खेला जाएगा। जिससे इसमें वही खेलेंगे जो विश्वकप में भाग लेंगे। 2019 में हुए एकदिवसीय विश्व कप के बाद टीम इंडिया के बल्लेबाजों का प्रदर्शन देखें, तो 4 खिलाड़ियों ने 3 या उससे अधिक शतक लगाये हैं। उन्होंने 1100 से अधिक रन भी बनाए हैं। ऐसे में इनका विश्वकप में खेलना तय है। विराट कोहली का प्रदर्शन एकदिवसीय में सबसे अच्छा रहा है। उन्होंने 38 मैच की 37 पारियों में 46 की औसत से टीम की ओर से सबसे अधिक 1612 रन बनाए हैं। कप्तान रोहित शर्मा ने पिछले विश्व कप के बाद से ही एकदिवसीय की 27 पारियों में 47 की औसत से 1167 रन बनाए हैं। जिसमें 3 शतक और 6 अर्धशतक शामिल हैं। 159 रन सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। स्ट्राइक रेट 102 का है। सर्जरी के कारण वापसी की राह देख रहे केएल राहुल ने 30 पारियों में 49 की औसत से 1282 रन बनाए हैं। वह विकेटकीपर बल्लेबाज के तोर पर टीम में जगह के प्रबल दावेदार हैं। युवा शुभमन गिल ने भी इस दौरान बेहतरीन प्रदर्शन किया है। उन्होंने 208 रन की अनुभवी पारी खेली। शुभमन ने 22 पारियों में 72 की औसत से 1295 रन बनाए हैं। इसमें 4 शतक और 5 अर्धशतक लगाये हैं। वहीं श्रेयस अय्यर ने पिछले 4 साल में वनडे में 33 पारियों में 47 की औसत से 1421 रन बनाए हैं। वह हालांकि अभी तक फिट नहीं है पर विश्वकप तक उनके फिट होने की टीम प्रबंधन को उम्मीद है। गेंदबाजी की बात करें, तो तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने 23 मैच में 19 की औसत से 43 विकेट लिए हैं। 32 रन देकर 4 विकेट बेस्ट प्रदर्शन है। इस दौरान वे रैंकिंग में नंबर-1 तक भी पहुंचे। ऐसे में उनका विश्व कप में खेलना तय है। लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने 21 पारियों में 37 और तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने 23 पारियों में 35 विकेट लिए हैं। जसप्रीत बुमराह ने इस दौरान 14 एकदिवसीय में 18 विकेट लिए हैं। वे भी चोट के बाद रिहैब से गुजर रहे हैं। फिट होने पर उनका खेलना भी तय है। ऑलराउंडर के तौर पर हार्दिक पंड्या की भी जगह पक्की है। पंड्या ने पिछले 4 साल में एकदिवसीय में 17 पारियों में 39 की औसत से 627 रन बनाए हैं। इसमें 5 अर्धशतक हैं।

अमेरिकी अंडर-19 टीम ने दर्ज की सबसे बड़ी जीत

अर्जेंटीना को 450 रन से हराया

फ्लोरिडा । आईसीसी अंडर 19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप क्वालिफायर 2023 में अमेरिकी अंडर-19 टीम ने अर्जेंटीना अंडर 19 टीम को 450 रनों से हराकर विश्व की सबसे बड़ी जीत हासिल की है। इस मैच में पहले खेलते हुए अमेरिकी अंडर-19 टीम ने 8 विकेट पर 515 रन बनाये। इसके बाद आरिन नंदकरणी की घातक गेंदबाजी 21 रन पर 6 विकेट की सहायता से 450 रन से मुकाबला जीत लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए अमेरिका की ओर से पी चेट्टीपलायम ने 43 गेंदों पर 61 रन जबकि बी मेहता ने 91 गेंदों में 136 रन बनाये। दोनों ने पहले 11.2 ओवर में ही स्कोर 115 पर पहुंचा दिया। इसके बाद कप्तान रमेश ने 59 गेंदों पर 13 चौके और दो छक्कों की मदद से 100 रन बनाकर स्कोर 30.4 ओवर में ही 326 रन पर पहुंचा दिया। महेश ने 67 जबकि, अरेपल्ली ने 48 रन बनाये अर्जेंटीना के गेंदबाज बेबस नजर आये। उनके छह गेंदबाजों ने 10 से ज्यादा के औसत से रन दिए। एल रोसी ने तो 10 ओवर में 107 रन दे दिए। इसके अलावा मॉस्क्यूरा ने 96 जबकि नेवेस ने 83 रन दिये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए अर्जेंटीना की टीम 19.5 ओवर में ही 65 रनों पर सिमट गयी। ब्रुग्डेनहिल ने आठ रन बनाये और एक भी बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पायी।

मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद किसान को थप्पड़ मारने के मुद्दे पर निकली न्याय यात्रा फिलहाल स्थगित

अहमदाबाद।

पिछले सप्ताह बनासकांठा के दियोदर में किसान नेता को थप्पड़ मारने के विरोध में निकली न्याय यात्रा को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के उचित कार्यवाही का आश्वासन देने के बाद किसानों ने यात्रा को रोक दिया है। हांलाकि साथ ही चेतावनी दी है कि अगर उन्हें न्याय नहीं मिला तो किसान फिर आंदोलन करेंगे। दरअसल उत्तर गुजरात के बनासकांठा जिले के दियोदर में गत । अगस्त को अटल भूजल योजना के तहत एक कार्यक्रम हुआ था। कार्यक्रम में विधायक केशाजी चौहाण और अधिकारियों की उपस्थिति में किसान नेता अमराभाई चौधरी ने किसानों से जुड़ी समस्याओं का उठाया था। कार्यक्रम खत्म होने के बाद अमरत ठाकोर नामक शख्स ने अमराभाई चौधरी को सरेआम थप्पड़ मार दिया था। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद किसानों में आक्रोश भड़क उठा था। अमराई चौधरी ने आरोप लगाया कि विधायक केशाजी चौहाण समर्थक ने उन्हें थप्पड़ मारा। जिसके बाद हमलावर अमरत ठाकोर के खिलाफ दियोदर पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज होने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। हांलाकि बाद में उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया। इस घटना में न्याय की मांग को लेकर किसानों ने पिछले सप्ताह न्याय यात्रा शुरू की थी। उत्तरी गुजरात के विभिन्न गांवों से होते हुए यह न्याय यात्रा 18 अगस्त को गांधीनगर पहुंचने वाली थी। जहां मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल से मुलाकात कर मामले में उचित कार्यवाही करने और विधायक केशाजी चौहाण के इस्तीफे की किसान मांग करने वाले थे। यात्रा के छठवें दिन मेहसाणा के गोझारिया पहुंचने पर बड़ी संख्या में पुलिस की तैनाती से किसान नेताओं ने उग्र आंदोलन के चेतावनी दी। हांलाकि मुख्यमंत्री ने तुरंत हस्तक्षेप किया और किसान नेताओं को बातचीत के लिए गांधीनगर बुला लिया। मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद किसानों ने अपनी न्याय यात्रा फिलहाल स्थगित करने की घोषणा की। किसान नेताओं ने बताया कि मुख्यमंत्री के साथ बातचीत से हमें संतोष हुआ है और उन्होंने उचित कार्यवाही का भरोसा दिलाया है। पूरे मामले की जांच बनासकांठा जिले को छोड़ अन्य जिले के पुलिस अधिकारी करेंगे। जिससे फिलहाल न्याय यात्रा को स्थगित कर रहे हैं। अगर न्याय नहीं मिला तो फिर आंदोलन करेंगे।

पूज्य मोरारी बापू ने स्वतंत्रता दिवस समारोह में शिक्षकों, किसानों और मछुआरों को अतिथि के रूप में आमंत्रित करने की मोदी सरकार की पहल की सराहना की

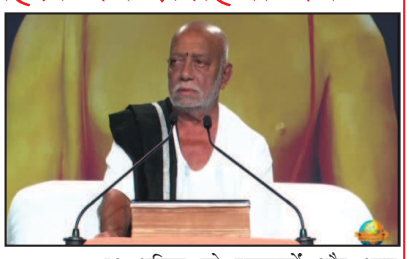

कैम्ब्रिज। प्रसिद्ध कथावाचक पूज्य मोरारी बापू ने नई दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस समारोह में शिक्षकों, मछुआरों और किसानों को आमंत्रित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की प्रशंसा की है।

पूज्य बापू ने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से सभी भारतीयों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मछुआरों, शिक्षकों और किसानों को स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए आमंत्रित करना एक अच्छी पहल है। शायद पहली बार इस समारोह में इतनी बड़ी संख्या में सामान्य व्यक्तियों को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरा देश लाल किले से 77 वें स्वतंत्रता दिवस का भव्य जश्न मना रहा है. शीर्ष राजनीतिक नेताओं, अधिकारियों, न्यायाधीशों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के अलावा, केंद्र सरकार ने समारोह के हिस्से के रूप में विभिन्न क्षेत्रों से 1,800 लोगों को समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

अधिकारियों के अनुसार, लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए देश भर से 400 से अधिक ग्राम सरपंचों, 300 किसानों, 50 प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों, नर्स और मछुआरों को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। इसके अलावा विशेष अतिथियों की सूची में 50 निर्माण श्रमिक भी शामिल थे जो नई संसद के निर्माण में शामिल थे और 50 श्रमिक जो राजमार्गों और अन्य परियोजनाओं के निर्माण में शामिल थे। 75 जोड़े पारंपरिक पोशाक में मौजूद थे। पूज्य बापू की रामकथा वर्तमान में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के जीसस कॉलेज में चल रही है। यह रामकथा भारत और अंग्रेजी संस्कृति के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों का उत्सव है। इस रामकथा का समापन 20 अगस्त को होगा।

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत अलोहा एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन द्वारा 77 में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया था

सूरत भूमि, सूरत। भारत की आजादी के 76 साल पूरे होने के मौके पर देशभर में 77वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। उस समय, प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान अलोहा ने भी सूरत में सिटीलाइट क्षेत्र के पास स्थित सूरत नगर निगम वॉकवे गार्डन में सलामी देकर और राष्ट्रगान गाकर स्वतंत्रता दिवस मनाया। जिसमें बड़ी संख्या में विभिन्न केंद्रों से आये छात्र एवं शिक्षक उपस्थित थे।

भारतपे ने व्यापारियों के लिए भारतपे स्वाइप एंड्रॉइड मशीन लॉन्च की

सूरत।

फिनटेक उद्योग में भारत के अग्रिम पंक्ति के नाम भारतपे ने अपने नए एंड्रॉइड पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) टर्मिनल के लॉन्च की घोषणा की। भारतपे स्वाइप एंड्रॉइड के नाम से जाना जाने वाला यह डिवाइस डिजिटल पेमेंट स्वीकृति के लिए डेबिट/क्रेडिट कार्ड, यूपीआई, मोबाइल वॉलेट और क्यूआर कोड सहित कई मोड प्रदान करता है। वर्ष 2020 में लाइनक्स आधारित पीओएस डिवाइस लॉन्च करने वाली कंपनी के पास पहले से ही देश के 400+ शहरों में 2 लाख से अधिक पीओएस मशीनों का नेटवर्क है और यह पीओएस श्रेणी में शीर्ष 3 फिनटेक कंपनियों में से एक है। भारतपे अपने व्यापारियों को लिनक्स आधारित पीओएस से नए एंड्रॉइड पीओएस डिवाइस में अपग्रेड करने का विकल्प देगी। इसके अतिरिक्त, कंपनी भारतपेस्वाइप एंड्रॉइड के लॉन्च के साथ, अगले 12 महीनों में अपने पीओएस नेटवर्क की संख्या को दोगुना करने की योजना बना रही है।

लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए भारतपे के सीएफओ और अंतरिम सीईओ नलिन नेगी ने कहा, च्ऑफलाइन व्यापारियों के लिए अपने मजबूत फिनटेक पारिस्थितिकी तंत्र के माध्यम से भारतपे लाखों छोटे व्यवसायों और खुदरा विक्रेताओं को डिजिटल अर्थव्यवस्था के दायरे में लाया है। हमारे प्रोडक्ट सूट में नवीनतम भारतपेस्वाइप एंड्रॉइड एक शक्तिशाली लेकिन उपयोग में आसान उपकरण है जो हमारे व्यापारियों को अपने ग्राहकों को एक सहज और सुरक्षित भुगतान अनुभव देने में सक्षम करेगा।

एंड्रॉइड 10 ऑपरेटिंग सिस्टम द्वारा संचालित नई डिवाइस में 5.5 इंच एचडी टच स्क्रीन और लंबे समय तक चलने वाली बैटरी है। फास्ट चार्जिंग और बेहतर कनेक्टिविटी के लिए 4 जी और वाई-फाई के साथ कम्पेटेबल है। भारतपे मर्चेंट ऐप समर्थित पीओएस सॉल्यूशन भारतपे क्यूआर और भारतपेस्वाइप पर लेनदेन के लिए त्वरित निपटान और सिंगल पॉइंट समाधान की सुविधा के साथ एक सरल और सहज इंटरफेस है।

निवेश का पहला नियम है पैसा मत गँवाओ और निवेश का दूसरा नियम है पहला नियम मत भूलोः वोरेन बफेट

सूरत।

रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल ने 10 अगस्त 2023 को ग्रेड 11 कॉमर्स और ग्रेड 12 कॉमर्स के छात्रों के लिए बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की फील्ड विजिट का आयोजन किया। छात्रों के व्यावहारिक अनुभव और वास्तविक दुनिया के संपर्क को बढ़ाने के लिए स्कूल द्वारा फील्ड यात्राएं की गईं।

श्री किशन मंगेकिया (प्रबंध निदेशक), श्री आशीष वाघानी (कैंपस निदेशक), श्री त्रिशार परमार (प्रिंसिपल - सीबीएसई) की प्रेरणा और मार्गदर्शन से यह आयोजन एक शानदार सफलता थी।

कार्यक्रम का आयोजन एवं संचालन कुलवंत देसाई (पीजीटी-बिजनेस स्टडीज) द्वारा किया गया। बीएसई में सत्र डॉ. संचालन आदित्य श्रीनिवास (बीएसई में सीओओ और मुख्य अर्थशास्त्री) द्वारा किया गया। सत्र में छात्रों ने इसके बारे में गहराई से सीखा...

1. भारत का वित्तीय बाज़ार.
2. अंतर्राष्ट्रीय बाजारों और भारतीय स्टॉक एक्सचेंजों पर इसका प्रभाव।
3. विद्यार्थियों में मितव्ययिता की आदत डालना।
4. शेयर बाजार में निवेश कैसे करें और सट्टेबाजी में सावधानियां।
5. भारत में पिछले 2500 वर्षों के सभी प्राचीन सिक्कों, करेंसी नोटों, विनिमय पत्रों और हुंडियों के साथ आरबीआई का वित्तीय इतिहास।
6. स्मारक सिक्के और उनका महत्व।

विद्यार्थियों ने क्षेत्र भ्रमण का भरपूर आनंद उठाया। इस यात्रा से उन्होंने वास्तविक दुनिया पर आधारित व्यावहारिक ज्ञान बहुत कुछ सीखा। कुल मिलाकर यह आयोजन बेहद सफल रहा।

शॉट सूरत ने अपने ट्रैम्पोलिन पार्क के लॉन्च के साथ एक इलेक्ट्रीफायिंग वंडरलैंड का अनावरण किया

सूरत।

नॉन-स्टॉप मनोरंजन और अद्भुत एक्शन और रोमांच के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि शॉट एम्प्यूज़मेंट सेंटर अपने नए आकर्षण ट्रैम्पोलिन पार्क के साथ आ रहा है। सूरत में स्थित, यह ट्रैम्पोलिन पार्क आगंतुकों को एड्रेनालिन-पंपिंग अनुभवों का गुरुत्वाकर्षण-परिभाषित वंडरलैंड प्रदान करता है। साथ ही हर उम्र के आगंतुकों को एक अलग अनुभव मिलेगा। इस अवसर पर एक इलेक्ट्रीफायिंग वंडरलैंड का भी अनावरण किया गया।

यहां यह उल्लेखनीय है कि शॉट सूरत में ट्रैम्पोलिन पार्क को नॉन-स्टॉप मनोरंजन की पेशकश करते हुए स्वास्थ्य लाभ की एक श्रृंखला प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ट्रैम्पोलिन पर कूदना न केवल मजेदार है, बल्कि हृदय स्वास्थ्य में सुधार, पूरे शरीर को टोन और मजबूत करने और कम प्रभाव, जोड़ों के अनुकूल कसरत का अनुभव करने का एक शानदार तरीका है। तो चाहे आप फिटनेस के प्रति उत्साही हों या सिर्फ मौज-मस्ती से भरे समय की तलाश में हों, हमारे ट्रैम्पोलिन में हर किसी के लिए कुछ न कुछ है।

एड्रेनालिन-प्रेमी साहसी लोग यहां एयर बैग जोन का दौरा कर सकते हैं जहां वे आत्मविश्वास के साथ अपने भीतर के साहसी को बाहर निकाल सकते हैं। प्रत्येक छलांग और पलटी के साथ, प्रतिभागी धीरे-धीरे और सुरक्षित रूप से रोमांचक आनंद के बादल पर उतरते हैं, जिससे एक सुरक्षित लेकिन उत्साहजनक अनुभव सुनिश्चित होता है। बास्केटबॉल प्रेमी स्लैम डंक कोर्ट पर अपने खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं। बास्केटबॉल हुप्स के नीचे रणनीतिक रूप से रखे गए ट्रैम्पोलिन उड़ने और आश्चर्यजनक स्लैम डंक निष्पादित करने की शक्ति प्रदान करते हैं, एक ऐसा बास्केटबॉल अनुभव जो पहले कभी नहीं हुआ।

जो लोग बास्केटबॉल और ट्रैम्पोलिनिंग को संयुक्त रूप से पसंद करते हैं, उनके लिए ट्रैम्पोलिन पार्क बास्केटबॉल क्षेत्र में ऊंची उड़ान वाले शॉट्स और नॉनस्टॉप मज़ा प्रदान करता है। यह मिलकर एक रोमांचक अदालती अनुभव की गारंटी देता है जो प्रतिभागियों को प्रसन्न करता है। उत्साह यहीं खत्म नहीं होता, हम डेयरडेविल्स वाइपआउट ज़ोन में खुद को चुनौती दे सकते हैं। इतना ही नहीं यहां आपको एक अद्भुत रोमांचकारी अनुभव भी मिलेगा। इसके अलावा यहां फ्री जंप कोर्ट को न भूलें, आगंतुक ट्रैम्पोलिन पार्क के केंद्र में जंपिंग का आनंद ले सकते हैं।

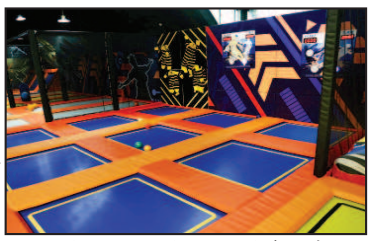

सूरत भूमि, सूरत। अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट द्वारा 77वां स्वतंत्रता दिवस डुमस स्थित अग्र एग्जोटिका के गार्डन में सुबह 10:30 बजे मनाया। अध्यक्ष सीए महेश मित्तल ने झण्डा रोहण कर स्वागत उद्बोधन में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद करते हुए बताया कि अब देश के लिये शहीद होने की आवश्यकता नहीं है बल्कि देश के लिए जीने की आवश्यकता है। देश को खून नहीं बल्कि समय देने की और संगठित होने की आवश्यकता है। इस अवसर पर जनहित के लिए ब्लड सीमित द्वारा ब्लड कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमे 113 यूनिट कलेक्शन हुआ और eyes एवं सुजोक एक्यूप्रेसर निदान एवं उपचार शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे लोगों ने अपनी जांच कराई। झंडारोहण के पश्चात सभी ने एक दूसरे को स्वतन्त्रता दिवस की बधाइयाँ दी एवं साथ में मिलकर अल्पाहार किया। इस मौके पर ट्रस्ट के सचिव रतन दारुका, कोषाध्यक्ष रमेश अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन झुनझुनवाला, पूर्व अध्यक्ष चिरंजीलाल अग्रवाल, सहित अन्य पदाधिकारी, युवा इकाई, महिला इकाई एवं सभी ट्रस्टी उपस्थित रहे।

सूरत भूमि, सूरत। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल परिसर में ध्वजारोहण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अग्रवाल एजुकेशन फाउंडेशन के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने ध्वजारोहण किया । तत्पश्चात विद्यार्थियों तथा शिक्षकों द्वारा शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गयी, विद्यार्थियों ने देशप्रेम के गीत, ड्रामा और डांस आदि के शानदार कार्यक्रम प्रस्तुत किये । कार्यक्रम में ट्रस्ट पदाधिकारियों द्वारा प्रतिभावान छात्रों को स्कालरशिप चेक एवं सर्टिफिकेट प्रदान किये गये । इस मौके पर उपाध्यक्ष गिरीश मित्तल, सचिव अशोक टिबड़ेवाल, कोषाध्यक्ष विजय खेमानी एवं अन्य पदाधिकारियों के अतिरिक्त अग्रवाल विकास ट्रस्ट के उपाध्यक्ष प्रमोद पोद्दार तथा सचिव राजीव गुप्ता भी उपस्थित थे।

सूरत भूमि, सूरत। श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा स्वतंत्रता दिवस के मौके पर वीआईपी रोड स्थित श्री श्याम मन्दिर, सुरतधाम में बाबा श्याम का तिरंगा श्रृंगार किया गया । इस अवसर पर तिरंगे के रंगों के फूलों से बाबा का श्रृंगार किया गया एवं सम्पूर्ण मंदिर पर तिरंगे झंडे लगाए गये । स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सुबह सवा दस बजे मंदिर पर ध्वजारोहण भी किया गया ।

विशाल श्री श्याम अखाड़ा में लगेगा भक्तों का जमावड़ा

सूरत भूमि, सूरत।

लखदातार सेवा समिति द्वारा विशाल श्री श्याम अखाड़ा का आयोजन वीआईपी रोड़ स्थित श्याम विल्ला अपार्टमेन्ट में किया जायेगा । समिति के संरक्षक विजय कुमार तोदी ने बताया की इस अवसर पर बाबा श्याम का भव्य एवं आलौकिक दरबार सजाया जायेगा । श्रृंगारित दरबार के समक्ष दोपहर एक बजे से अखंड ज्योत प्रज्वलित की जाएगी । इसके पश्चात् विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जायेगा । भजन संध्या में सूरत के लोक लाडले कलाकारों द्वारा भजनों एवं धमाल की प्रस्तुति दी जाएगी । श्री श्याम अखाड़ा के आयोजक पवन मुरारका ने बताया की आयोजन के दौरान अखंड ज्योत, पुष्प-वर्षा, इत्र-फुहार, भव्य दरबार आदि भक्तों के आकर्षण के मुख्य केंद्र होंगें । आयोजन में सूरत सहित आस-पास के शहरों से भी अनेकों श्याम भक्त उपस्थित रहेंगे ।

सूरत भूमि, सूरत। अग्रवाल विकास ट्रस्ट द्वारा सिटी-लाइट स्थित अग्रसेन भवन प्रांगण पर दिनांक 15/08/2023 को प्रात: 11:00 बजे ध्वजारोहण समारोह का गार्ड ऑफ आनर के साथ विशिष्ट आयोजन किया गया। साथ ही राष्ट्रीय गान एवं भारत माता की सामूहिक जय घोष सहित भारत माता के वीर सपूतो व शहीदों को भावपूर्वक स्मरण सह आभार व्यक्त किया गया। तत्पश्चात ट्रस्ट युवा व महिला शाखा द्वारा रंगारंग प्रासंगिक सांस्कृतिक कार्यक्रम-सोन चिरईया (बुलंद भारत की आवाज) का मंचन किया गया। जिसमे समाज के सर्वजन की भारी उपस्थिती रही। इस अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष संजय सरावगी, पूर्व अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल, उपाध्यक्ष प्रमोद पोद्दार, सचिव राजीव गुप्ता, सह-सचिव अनिल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राहुल अग्रवाल, सह-कोषाध्यक्ष शशीभूषण जैन सहित अन्य गणमान्य व विशिष्टजन उपस्थित रहे।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)